हिन्दी साहित्य के स्नातक पाठ्यक्रम
के लिए
अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना
(LOCF) 2019-20

LEARNING OUTCOME-BASED EDUCATION (LOBE)

for

Undergraduate Programme

BA/BSc - HINDI

(LOCF)

Introduction / परिचय

हिन्दी भाषा का क्षेत्र अत्यंत व्यापक है। यह भारत के बहुसंख्यक लोगों की भाषा है। हिन्दी भाषा के अंतर्गत कई बोलियाँ भी हैं जिन्होंने हिन्दी साहित्य को समृद्ध करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

भारत में हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, उत्तरांचल, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार, झारखंड इन दस राज्यों को हिन्दी क्षेत्र के रूप में पहचान प्राप्त हुई है। भारत के अलावा यह पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश, मॉरीशयस, नेपाल, त्रिनिदाद, संयुक्त राज्य अमेरिका, फिजी, दक्षिण अफ्रीका, युगांडा,सिंगापुर आदि देशों में भी हिन्दी भाषा बोली जाती है।संयुक्त अरब अमीरात के अबू धाबी राज्य में हिन्दी को न्यायालय की तीसरी भाषा के रूप में भी मान्यता मिली है।

हिन्दी का प्रचार-प्रसार विदेश में होने के कारण छात्र विदेशों में भी नौकरी प्राप्त कर सकता है। सूचना क्रांति के इस दौर में हम लोगों ने ऐसा पाठ्यक्रम बनाया है जिसकी सहायता से छात्र रोजगार प्राप्त कर सकेगा। इस पाठ्यक्रम को पढ़ने के उपरांत छात्र भाषा कौशल में कुशल होगा। वह अपनी वाणी से लोगों को प्रभावित कर पाएगा।

कोर्स (Course)

हिन्दी विभाग में स्नातक स्तर पर 08 कोर (अनिवार्य) और 16 वैकल्पिक पेपर (Elective courses) के साथ-साथ अंतरविद्याशाखीय कोर्सेस (Inter Disciplinary Course) के अंतर्गत 'बुनियादी कोर्स' (Foundation Course) 'जेनेरिक इलेक्टिव कोर्स' (Generic Elective Course) तथा 'कौशल विकास पाठ्यक्रम' (Skill Enhancement Course) का अध्ययन किया जाता है।

Unique course

Mission Statement of the Department of Hindi (U.G.)

पार्वतीबाई चौगुले महाविद्यालय, हिन्दी विभाग का मिशन विद्यार्थियों में लेखन और वाचन कौशल को बढ़ावा देना है। अतः पाठ्यक्रम में इससे संबन्धित कुछ प्रमुख बिन्दुओं को शामिल किया गया है, जैसे- साहित्यिक एवं व्यावहारिक हिन्दी का अध्ययन।

साहित्यिक अध्ययन के अंतर्गत हम मध्यकालीन एवं आधुनिक रचनाकारों के साहित्य से परिचय कराते हैं, जिसके माध्यम से विद्यार्थी साहित्य की परम्पराओं से परिचित होते हैं और उनमें सृजनात्मक कौशल का विकास भी होता है। इसे ध्यान में रखकर विद्यार्थियों को कबीर, सूरदास, तुलसीदास, मीराबाई, बिहारी, हरीशंकर परसाई, शरद जोशी के साथ भाषा एवं काव्य शास्त्र का अध्ययन कराया जाता है।

व्यावहारिक हिंदी के अंतर्गत विद्यार्थियों को सरकारी अथवा गैरसरकारी संस्थानों में हिंदी के प्रयोग हेतु पत्रकारिता, अनुवाद, रेडियो, दूरदर्शन, विज्ञापन जैसे विषयों का प्रारंभिक ज्ञान कराते हुए उन्हें इंटर्नशिप के लिए पाठशाला, राजभाषा विभाग, समाचार पत्र कार्यालय, आदि में भेजा जाता हैं।

हिन्दी विभाग में पाँच सहायक प्राध्यापक है। विभागाध्यक्ष प्राध्यापक प्रदीप जटाल का अध्ययन क्षेत्र नाटक एवं भाषाविज्ञान है। सहायक प्राध्यापिका अलका गावस का अध्ययन क्षेत्र हिंदी कथा साहित्य एवं भाषा विज्ञान है। डॉ.ऋषिकेश मिश्र का अध्ययन क्षेत्र मध्यकालीन हिन्दी काव्य है। सहायक प्राध्यापक अकबर शेख का अध्ययन क्षेत्र कथा साहित्य है। सहायक प्राध्यापिका शांभवी नाईक का अध्ययन क्षेत्र कथा साहित्य है। पुस्तकालय में हिन्दी साहित्य की पुस्तकें पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं, जिनसे विद्यार्थी लाभान्वित होते हैं।

साथ ही विद्यार्थियों को हिन्दी सप्ताह, तुलसीदास एवं प्रेमचंद जयंती, पार्वतीबाई वाचन मंदिर आदि के माध्यम से समीक्षात्मक लेखन, कविता लेखन एवं प्रस्तुतीकरण की ओर प्रेरित किया जाता है। अतिथि व्याख्यान के लिए देश के विभिन्न स्थानों से विद्वानों को आमंत्रित किया जाता है, जिनमें वरिष्ठ लेखक एवं फिल्म जगत से जुड़े सागर सरहदी (मुंबई), डॉ.सतीश पाण्डेय (मुंबई), डॉ.संजीवकुमार दुबे (केंद्रीय विश्वविद्यालय, गुजरात), डॉ.उमाशंकर उपाध्याय (पूर्व हिन्दी विभागाध्यक्ष, पुणे विश्वविद्यालय), डॉ. इशरत खान (पूर्व हिन्दी विभागाध्यक्ष, गोवा विश्वविद्यालय) आदि प्रमुख हैं।

उपर्युक्त पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के बाद विद्यार्थी पाठशाला में हिन्दी अध्यापक (School Teaching) एवं मुद्रित माध्यमों (Print Media) में रोजगार प्राप्त करने में सक्षम होंगे, साथ ही वे उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए एम.ए.में प्रवेश के भी पात्र होंगे।

जिन विद्यार्थियोंने हिन्दी विषय लेकर बारहवीं की परीक्षा उत्तीर्ण की है वे बी.ए. हिन्दी में प्रवेश ले सकते हैं। साथ ही हिन्दी लेखन और वाचन में पर्याप्त सक्षम विद्यार्थी ही प्रवेश के पात्र होंगे।

Over view of Departmental Profile-

पार्वतीबाई चौगुले महाविद्यालय में हिन्दी विभाग की स्थापना 1962 को हुई थी। गोवा विश्वविद्यालय के बाद एक मात्र ऐसा हिन्दी विभाग है जहाँ स्नातक के साथ स्नातकोत्तर शिक्षा हेतु एम.ए. हिन्दी और पीएच.डी. शोधकेंद्र है।

हिन्दी विभाग में स्नातक स्तर पर 08 कोर (अनिवार्य) और 16 वैकल्पिक पेपर (Elective courses) के साथ-साथ अंतरविद्याशाखीय कोर्सेस (Inter Disciplinary Course) के अंतर्गत 'बुनियादी कोर्स' (Foundation Course) 'जेनेरिक इलेक्टिव कोर्स' (Generic Elective Course) तथा 'कौशल विकास पाठ्यक्रम' (Skill Enhancement Course) का अध्ययन किया जाता है। विद्यार्थियों की शैक्षिक उन्नति के साथ अन्य कला गुणों में वृद्धि तथा व्यक्तित्व विकास हेतु विभाग में प्रतिवर्ष पाठ्यक्रम पूरक गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। जिसमें तुलसीदास एवं प्रेमचंद जयंती, हिंदी सप्ताह, पार्वती वाचन मंदिर तथा अंतरमहाविद्यालयीन भाषण प्रतियोगिता जैसे विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। इसके अलावा विद्यार्थियों की सुप्त प्रतिभा तथा सृजनात्मक विकास हेतु विभाग में जुलाई से मार्च तक "बातों बातों में कुछ खास है" नामक ई-समाचार पत्र (News Letter) का प्रकाशन किया जाता है। साथ ही विभाग में छात्रों के लिए राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी और हास्य व्यंग्य कवि सम्मेलन जैसे विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन द्वारा छात्रों की रचनात्मक क्षमताओं को विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

हिन्दी विभाग में शिक्षण प्रक्रिया को बेहतर बनाने के लिए एल.सीडी. प्रोजेक्टर के साथ सुसज्जित कक्षाएँ है। महाविद्यालय के पुस्तकालय में पर्याप्त हिंदी पुस्तकों और पत्रिकाओं के साथ एक सुसज्जित कक्ष है। जिसमें प्रति वर्ष 15,000 रुपये मूल्य की किताबें खरीदी जाती है।

स्नातक की विशेषता (Graduate Attributes)

- बी. ए. प्रोग्राम के बाद छात्रों में भाषिक क्षमता का विकास होगा।
- साहित्य का आस्वादन एवं मूल्यांकन करने में सक्षम होंगे।
- छात्रों में संप्रेषण कौशल का विकास होगा।
- छात्रों में आलोचनात्मक/ तुलनात्मक दृष्टिकोण उत्पन्न होगा।
- छात्रों में समूह में कार्य करने की क्षमता का विकास होगा।
- छात्रों में जीवन मूल्यों (सामाजिक एवं नैतिक मूल्यों) का विकास होगा।
- छात्र व्याकरणिक दृष्टि से शुद्ध हिन्दी लेखन में भी प्रवीण होंगे।
- छात्रों में काव्य सौंदर्य की दृष्टि विकसित होगी।
- हिन्दी साहित्य के विभिन्न विधाओं,कालखंड की समझ छात्रों को होगी।
- छात्र अनुवाद कार्य में निपुण होंगे।
- छात्र व्यावसायिक एवं कार्यालयीन पत्र लेखन में सक्षम होंगे।
- छात्रों में साहित्य की विशेषताओं तथा विषमताओं का विश्लेषण करने की योग्यता निर्मित होगी।
- छात्रों में निबंध, आलेख, रेडियो वार्ता, रेडियो नाटक,समाचार लिखने की योग्यता विकसित होगी।
- प्रयोजनमूलक हिंदी के माध्यम से सरकारी एवं गैरसरकारी क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त करने में सक्षम बनेंगे।
- मुद्रित एवं इलेक्ट्रोनिक पत्रकारिता के सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक अध्ययन से रोजगार के अवसर तलाशने में सक्षम होंगे।
- छात्रों में अध्यतन विषयों को जानने की जिज्ञासा पैदा होगी।
- छात्रों में अनुसंधान कौशल की योग्यता निर्माण होगी।
- छात्रों में एक प्रकार से आत्मविश्वास उत्पन्न होगा तथा वे अपने भविष्य निर्माण के लिए सक्षम और आत्मनिर्भर बनेंगे।

PROGRAMME LEARNING OUTCOMES (PLO'S)

Programme Outcomes (PLO)	Short Title of the POs	Description of the Programme Outcomes Graduates will be able to :
PLO -1	भाषिक क्षमता	भाषा विज्ञान, भाषा कौशल एवं व्याकरण के अध्ययन के परिणामस्वरूप विद्यार्थियों में भाषिक क्षमता का विकास होगा।
PLO-2	साहित्य की विविध विधाओं एवं विमर्शों का आस्वादन एवं मूल्यांकन।	साहित्य की विविध विधाओं एवं विमर्शों का आस्वादन एवं मूल्यांकन कर समीक्षात्मक एवं तुलनात्मक दृष्टि विकसित होगी। साथ ही नाटक एवं रंगमंच से जुड़ी विविध विधाओं एवं रंगमंचीय प्रयोगों से विद्यार्थियों में अधिगम क्षमता का विकास होगा।
PLO- 3	साहित्य समीक्षा की भारतीय एवं पाश्चात्य परंपरा तथा विभिन्न काव्य सिद्धांतों का ज्ञान।	साहित्य समीक्षा की भारतीय एवं पाश्चात्य परंपरा तथा विभिन्न काव्य सिद्धांतों के आधार पर साहित्य के मूल्यांकन की क्षमता विकसित होगी।
PLO -4	प्रयोजनमूलक हिंदी- अनुवाद एवं पत्रकारिता का सैद्धांतिक और व्यावहारिक अध्ययन।	• प्रयोजनमूलक हिन्दी का स्वरूप एवं विविध क्षेत्र का अध्ययन करने से विद्यार्थियों में सरकारी एवं गैरसरकारी क्षेत्रों में हिंदी के व्यावसायिक अनुप्रयोग की क्षमता विकसित होगी। • अनुवाद के सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक स्वरूप का अध्ययन कर अनुवाद के क्षेत्र में सक्रिय होने की क्षमता विकसित होगी। • मुद्रित एवं इलेक्ट्रोनिक पत्रकारिता का सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक अध्ययन कर पत्रकारिता के क्षेत्र में रोजगार के अवसर तलाशने में सक्षम होंगे।

COURSE LEARNING OUTCOMES (CLO's)

Sr. No.	Course Code	Course Title	Course LearningOutcomes
1	HIN-I.C-1	हिन्दी कहानी एवं शब्द साधन	1) कहानी की अवधारणा एवं स्वरूप से परिचित होंगे। 2) हिन्दी कहानी एवं कहानीकारों की जानकारी प्राप्त होगी। 3) कहानियों के माध्यम से जीवन मूल्यों से परिचित एवं प्रभावित होंगे 4) उनमें आत्मविश्वास पैदा होगा और संघर्ष भावना निर्माण होगी। 5) व्याकरण को समझने में सक्षम होंगे तथा व्याकरणिक दृष्टि से शुद्ध हिन्दी लेखन में भी प्रवीण होंगे।

2	**HIN -I.C-2**	हिन्दी कविता एवं काव्य सौंदर्य	1) विद्यार्थी मध्ययुगीन तथा आधुनिक कवियों और उनकी कविताओं की जानकारी प्राप्त करेंगे। 2) मध्ययुगीन समाज और जीवन दृष्टि से आधुनिक जीवन दृष्टि की तुलनात्मक क्षमता विकसित होगी। 3) मध्ययुगीन कविता के माध्यम से जीवन मूल्यों से परिचित होंगे और काव्य रचना की ओर प्रेरित होंगे। 4) काव्य सौंदर्य की दृष्टि विकसित होगी। 5) काव्यसौंदर्य में अलंकार, छंद एवं समास से का ज्ञान प्राप्त होगा।
3	**HIN-II.C-3**	हिन्दी नाटक, वृत्तचित्र एवं फीचर फिल्म	1) विद्यार्थी नाट्य परंपरा,अवधारणा, स्वरूप एवं तत्वों से परिचित होंगे। 2) 'एक और द्रोणाचार्य' नाटक एवं नाटककार शंकर शेष के रचना संसार से परिचित होंगे। 3) विद्यार्थियों में अभिनय कौशल के प्रति अभिरुचि पैदा होगी। 4) वृत्तचित्र एवं फीचर लेखन के सैद्धांतिक पक्ष एवं व्यावहारिक पक्ष से परिचित होंगे। 5) वृत्तचित्र एवं फीचर फ़िल्म में अंतर करने में सक्षम होंगे।
4	**HIN -II.C-4**	हास्य –व्यंग्य निबंध एवं पत्रकारिता	1) विद्यार्थी निबंध विधा से परिचित होंगे। 2) हास्य एवं व्यंग्य की अवधारणा तथा स्वरूप को समझेंगे। 3) हास्य-व्यंग्य निबंध एवं निबंधकारों से अवगत होंगे। 4) पत्रकारिता का सामान्य परिचय प्राप्त करेंगे। 5) पत्रकारिता की उपयोगिता एवं महत्त्व समझेंगे।
5	**FC-HIN.1**	व्यावहारिक हिन्दी	1) विद्यार्थी व्यावहारिक हिन्दी का परिचय प्राप्त करेंगे। 2) विविध क्षेत्रों में व्यावहारिक हिन्दी के प्रयोग से परिचित होंगे। 3) कार्यालयीन पत्राचार से परिचित होंगे। 4) अनुवाद-प्रक्रिया और उसके महत्त्व को समझेंगे। 5) विद्यार्थियों में मानक वर्तनी लेखन की क्षमता विकसित होगी।
6	**FC-HIN.2**	भाषा कौशल	1) भाषण-कला विकसित होगी। 2) श्रवण-क्षमता का विकास होगा। 3) वाचन-कौशल निर्माण होगा।

			4) लेखन-कला विकसित होगी। 5) हिन्दी भाषा के व्यवहार में दक्ष होंगे।
7	**HIN-III C-5**	प्रयोजनमूलक हिन्दी:अनुवाद एवं पत्रलेखन	1) विद्यार्थी प्रयोजनमूलक हिन्दी का परिचय प्राप्त करेंगे। 2) राजभाषा संबंधी प्रमुख प्रावधानों की जानकारी प्राप्त करेंगे। 3) अनुवाद के प्रकारों से अवगत होंगे। 4) अनुवाद कला में निपुण होंगे। 5) विद्यार्थी व्यावसायिक एवं कार्यालयीन पत्र लेखन में सक्षम होंगे
8	**HIN-III E-1**	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल,भक्तिकाल एवं रीतिकाल)	1) हिन्दी साहित्य की आदिकालीन परिस्थितियों एवं विभिन्न काव्य-प्रवृत्तियों से परिचित होंगे। 2) हिन्दी साहित्य के कालविभाजन से अवगत होंगे। 3) भक्ति आंदोलन के पृष्ठभूमि एवं परिवेश से परिचित होंगे। 4) रीतिकालीन परिवेश एवं प्रवृत्तियों का ज्ञान होगा। 5) प्राचीन भाषाओं के साथ विभिन्न काव्य धाराओं परिचय प्राप्त होगा।
9	**HIN-III E-2**	मध्यकालीन काव्य (चयनित कविताएँ)	1) सगुण भक्ति काव्य परंपरा और उनकी दार्शनिक मान्यताओं से अवगत होंगे। 2) सगुण एवं निर्गुण काव्य से परिचित होंगे। 3) मध्यकालीन काव्य की प्रासंगिकता से परिचित होंगे। 4) मीरा के माध्यम से मध्यकालीन नारी जीवन और सामंती व्यवस्था से उसके प्रतिरोध के स्वर को समझेंगे। 5) रीतिकालीन शृंगारिक काव्य एवं अभिव्यंजना कौशल को समझेंगे।
10	**HIN-III E-3**	हिन्दी महिला लेखन	1) महिला लेखन की अवधारणा एवं स्वरूप को समझेंगे। 2) इसके माध्यम से स्त्रीवादी चेतना का स्वरूप एवं महत्त्व से परिचित होंगे। 3) परंपरागत साहित्य लेखन एवं महिला लेखन के अंतर को समझेंगे। 4) महिला रचनाकारों एवं उनकी रचनाओं से अवगत होंगे। 5) महिलाओं की सामाजिक समस्याओं एवं नारी चेतना का ज्ञान होगा।
11	**HIN-III E-4**	हिन्दी दलित लेखन	1) दलित चेतना के स्वरूप एवं महत्त्व से अवगत होंगे।

			2) परंपरागत साहित्य लेखन एवं दलित लेखन के अंतर को समझेंगे। 3) विद्यार्थी दलित लेखक एवं उनकी कहानियों से अवगत होंगे। 4) दलितों की सामाजिक स्थिति एवं अपने अस्तित्व के प्रति उनकी जागरूकता को समझने का प्रयास करेंगे। 5) दलित लेखन के माध्यम से दलित विमर्श और उसकी की आवश्यकता को समझेंगे।
12	**HIN-IV.C-6**	हिन्दी पत्रकारिता: मुद्रित एवं इलेक्ट्रोनिक	1) निबंध एवं नाटक विधा के विकासक्रम से परिचित होंगे।विद्यार्थी स्वाधीनता आंदोलन में हिन्दी पत्रकारिता के योगदान और स्वातंत्र्योत्तर पत्रकारिता के विकास से अवगत होंगे। 2) पत्रकारिता के विविध प्रकारों को समझेंगे। 3) पत्रकार के गुण एवं पत्रकारिता संबंधी कानून का ज्ञान होगा। 4) मुद्रित पत्रकारिता का परिचय प्राप्त होगा। 5) इलेक्ट्रोनिक पत्रकारिता में रेडियो, टेलीविजन एवं इंटरनेट पत्रकारिता का कौशल विकसित होगा।
13	**HIN-IV.E-5**	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	1) आधुनिक हिन्दी साहित्य के परिवेश एवं परिस्थितियों से परिचित होंगे। 2) आधुनिक काल के काल विभाजन का ज्ञान प्राप्त होगा। 3) आधुनिक काल की काव्य प्रवृत्तियों से अवगत होंगे। 4) हिंदी कहानी एवं उपन्यास के उद्भव और विकास का परिचय प्राप्त करेंगे।
14	**HIN-IV.E-6**	विशेष अध्ययन:सूर्यकांत त्रिपाठी निराला	1) विद्यार्थी निराला के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित होंगे। 2) विद्यार्थी छायावादी काव्य में निराला के प्रदेय से अवगत होंगे। 3) काव्येतर विधाओं में निराला के योगदान को समझेंगे। 4) निराला की कविताओं का अर्थ एवं प्रासंगिकता से अवगत होंगे। 5) निराला के साहित्य में प्रगतिशील अवधारणा को समझेंगे।
15	**HIN-IV.E-7**	विशेष अध्ययन: हिन्दी कहानी	1) हिन्दी कहानी की अवधारणा एवं स्वरूप समझेंगे।

			2) हिन्दी कहानी की विकासयात्रा से अवगत होंगे। 3) प्रेमचंद की कहानी कला परिचित होंगे। 4) फणीश्वर रेणु की कहानियों की आंचलिकता से परिचित होंगे। 5) हिन्दी कहानी में सूर्यबाला के योगदान का परिचय प्राप्त करेंगे।
16	**HIN-IV.E-8**	हिन्दी साहित्य का आस्वादन एवं समीक्षा (कविता,कहानी एवं उपन्यास)	1) विद्यार्थी साहित्य के आस्वादन की कला से परिचित होंगे। 2) विद्यार्थी शोध एवं समीक्षा प्रक्रिया से अवगत होंगे। 3) कविता के आस्वादन एवं काव्य-समीक्षा के तत्त्वों से परिचित होंगे। 4) कहानी एवं उपन्यास की समीक्षा के विविध आधारों से अवगत होंगे। 5) शोध सामग्री का संकलन एवं विश्लेषण की क्षमता विकसित होगी।
17	**HIN-V.C-7**	मीडिया लेखन: रेडियो एवं टेलीविजन	1) विद्यार्थियों को मीडिया लेखन के सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक पक्ष का ज्ञान होगा। 2) रेडियो एवं टेलीविज़न पत्रकारिता से अवगत होंगे। 3) रेडियो के विविध कौशल की ओर प्रवृत्त होंगे। 4) विद्यार्थियों को टेलीविज़न समाचार या धारावाहिक लेखन संबंधी व्यावहारिक अनुभव होगा। 1) इलेक्ट्रोनिक मीडिया में रोजगार का मार्ग प्रशस्त होगा।
18	**HIN-V.E-9**	कथेतर गद्य साहित्य: रेखाचित्र संस्मरण,यात्रावृत्त,आत्मकथा एवं जीवनी (किसी विधा की एक पाठ्य पुस्तक)	1) विद्यार्थी कथेतर अन्य विधाओं से परिचित होंगे। 2) रेखाचित्र, संस्मरण लेखन के मूलभूत अंतर की जानकारी प्राप्त करेंगे। 3) साहित्य यात्रावृत्त का महत्व एवं आवश्यकता को समझेंगे। 4) आत्मकथा एवं जीवनी विधाओं का अंतर एवं उनके विकास-क्रम को समझेंगे। 5) रेखाचित्र विधा के विकास में रामवृक्ष बेनीपुरी के योगदान से परिचित होंगे।
19	**HIN-V.E-10**	विशेष अध्ययन:हिन्दी उपन्यास	1) उपन्यास के स्वरूप एवं तत्व को समझेंगे। 2) उपन्यास के विकासक्रम से परिचित होंगे। 3) 'निर्मला' उपन्यास के माध्यम से स्त्री

			जीवन की विडंबनाओं को समझेंगे। 4) 'मोहनदास' उपन्यास के माध्यम से उसकी की मूल संवेदना से परिचित होंगे। 5) निर्धारित उपन्यासों की आलोचना कर सकेंगे।
20	**HIN-V.E-11**	भारतीय काव्यशास्त्र	1) काव्य की अवधारणा एवं लक्षणों से अवगत होंगे। 2) विद्यार्थी भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा से परिचित होंगे। 3) काव्यशास्त्रीय सिद्धांतों का सामान्य ज्ञान प्राप्त करेंगे। 4) साहित्य-सृजन एवं समीक्षा में काव्यशास्त्र की उपयोगिता को समझेंगे। 5) भारतीय आचार्यों के साहित्य संबंधी चिंतन से परिचित होंगे।
21	**HIN-V.E-12**	हिंदी नाटक	1) विद्यार्थी नाटक के स्वरूप एवं तत्वों से परिचित होंगे। 2) भारतीय नाट्य परंपरा से अवगत होंगे। 3) अभिनय कौशल का विकास होगा। 4) हिन्दी रंगमंच की जानकारी प्राप्त होगी। 5) नाट्य रचना का तात्विक विवेचन करेंगे।
22	**HIN-VI.C-8**	हिंदी भाषा,लिपि एवं व्याकरण	1) विद्यार्थी हिन्दी भाषा की पृष्ठभूमि एवं उसके विकास से परिचित होंगे। 2) देवनागरी लिपि का स्वरूप एवं नामकरण से परिचित होंगे। 3) देवनागरी लिपि विकास एवं मानकीकरण का ज्ञान प्राप्त होगा। 4) हिन्दी की वर्ण-व्यवस्था एवं रूप-रचना से परिचित होंगे। 5) विकारी एवं अविकारी शब्दों से परिचित होंगे।
23	**HIN-VI.E-13**	हिंदी निबंध	1) विद्यार्थी निबंध के स्वरूप एवं तत्त्व को समझेंगे। 2) हिंदी निबंध के उद्भव एवं विकास की जानकारी होगी। 3) हिन्दी के प्रमुख निबन्ध्लकारोने से परिचित होंगे। 4) कन्हैयालाल मिश्र प्रभाकर एवं उनके मार्मिक निबंधों से परिचित होंगे। 5) निबंध लेखन की ओर प्रवृत्त होंगे।

24	**HIN-VI.E-14**	भाषाविज्ञान	1) भाषा का अर्थ एवं स्वरूप एवं विशेषताओं से परिचित होंगे। 2) भाषाविज्ञान की अवधारणा, स्वरूप एवं प्रकारों की जानकारी प्राप्त होगी। 3) भाषाविज्ञान के अध्ययन की विविध दिशाओं से परिचित होंगे। 4) ध्वनि की भाषा वैज्ञानिक जानकारी प्राप्त होगी। 5) रूप रचना, वाक्य रचना संबंधी विविध स्थितियों का ज्ञान होगा। 6) अर्थविज्ञान में अर्थबोध के साधन एवं अर्थ परिवर्तन के कारणों और दिशाओं का ज्ञान होगा।
25	**HIN-VI.E-15**	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	1) पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परंपरा से परिचित होंगे। 2) पाश्चात्य विचारकों के काव्य संबंधी चिंतन की जानकारी होगी। 3) पाश्चात्य काव्य सिद्धांतों एवं विविध वादों के आधार पर काव्य समीक्षा को समझेंगे। 4) आधुनिक समीक्षा सिद्धान्त एवं उसकी विविध प्रवृत्तियों को समझेंगे। भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र के व्यावहारिक अंतर को समझेंगे।
26	**HIN-VI.E-16**	साहित्य का अंतरानुशासनात्मक अध्ययन	1) साहित्य तथा साहित्येतर ज्ञान की अन्य शाखाओं को समझ समझेंगे। 2) साहित्य के अनुशीलन में अन्य अनुशासनों के प्रभाव से परिचित होंगे। 3) साहित्य की अन्य शाखाओं के अंत: संबंध को समझेंगे। 4) अन्य साहित्य का हिन्दी साहित्य पर पड़े प्रभाव से परिचित होंगे। 5) साहित्य का समाजशास्त्रीय अध्ययन करने में सक्षम होंगे।
27	**HIN-III.SEC-1**	हिन्दी पथनाट्य (नुक्कड़ नाटक)	1) पथनाट्य की अवधारणा,स्वरूप से परिचित होंगे। 2) पथनाट्य के तत्वों का ज्ञान प्राप्त होगा। 3) प्रमुख नुक्कड़ नाटकों की प्रासंगिकता से अवगत होंगे। 4) पथनाट्य प्रस्तुतीकरण कला में निपुण होंगे। 5) अभिनय के साथ-साथ अन्य कौशलों का भी विकास होगा। 6) पथनाट्य लेखन में दक्षता प्राप्त करेंगे।
28	**HIN-IV.SEC-2**	हिन्दी एकांकी	1) एकांकी की अवधारणा,स्वरूप एवं

			तत्वों का ज्ञान प्राप्त होगा। 2) प्रमुख एकांकी एवं एकांकीकारों का परिचय प्राप्त होगा। 3) रंगमंचीयता एवं उसके विकास से परिचित होंगे। 4) प्रमुख एकांकियों का अध्ययन कर उद्देश्य से अवगत होंगे। 5) विद्यार्थी अभिनय,एवं संवाद कला में निपुण होंगे। 6) विद्यार्थी एकांकी प्रस्तुतीकरण में दक्षता प्राप्त करेंगे। 7) एकांकी का गहन अध्ययन करके एकांकी लेखनकला से परिचित होंगे।

Course Structure

SEMESTR	CORE COMPULSORY		CORE ELECTIVE			
Semester I	**HIN -I.C-1** हिन्दी कहानी एवं शब्दसाधन (Hindi story and Shabda Sadhan)	**HIN -I.C-2** हिन्दी कविता एवं काव्यसौंदर्य (Hindi poetry and kavya Soundarya)	-	-	-	-
Semester II	**HIN -II.C-3** हिन्दी नाटक:वृत्तचित्र एवं फीचर फिल्म (study of Hindi drama, Documentary and Feature film)	**HIN -II.C-4** हास्य–व्यंग्य निबंध एवं पत्रकारिता (Haasya – Vyangya Essay and journalism)	-	-	-	-
Semester III	**HIN-III C-5** प्रयोजनमूलक हिन्दी:अनुवाद एवं पत्रलेखन (Functional Hindi : Translation and Letter Writing)	**_**	**HIN-III E-1** हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल,भक्तिकाल एवं रीतिकाल) (History of Hindi literature Adi,Bhakti & Ritikaal)	**HIN-III E-2** मध्यकालीन काव्य (चयनित कविताएँ) (Medieval Poetry-selective poems)	**HIN-III E-3** हिन्दी महिला लेखन (Hindi Mahila Lekhan)	**HIN-III E-4** हिन्दी दलित लेखन (study of Hindi Dalit lekhan)

Semester IV	**HIN-IV.C-6** हिन्दी पत्रकारिता: मुद्रित एवं इलेक्ट्रोनिक (Hindi Journalism- Print and Electronic Media)	**–**	**HIN-IV.E-5** हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) (History of Hindi literature – modern era	**HIN-IV.E-6** विशेष अध्ययन: सूर्यकांत त्रिपाठी निराला (special study of poet – Suryakant Tripathi Nirala)	**HIN-IV.E-7** विशेष अध्ययन: हिन्दी कहानी (Special study of Hindi Story)	**HIN-IV.E-8** हिन्दी साहित्य का आस्वादन एवं समीक्षा (कविता,कहानीए वंउपन्यास) (Appreciation of Hindi Literature and review of poems, stories and novels)
Semester V	**HIN-V.C-7** मीडिया लेखन: रेडियो एवं टेलीविजन Media writing – Radio and Television	**–**	**HIN-V. E-9** कथेतर गद्य साहित्य: रेखाचित्र संस्मरण,यात्रावृत्त , आत्मकथा एवं जीवनी (किसी विधा की एक पाठ्यपुस्तक) Kathetar gadya sahitya : Rekhachitr Sansmaran , yatravrutt , evam jivni	**HIN-V.E-10** विशेष अध्ययन:हिन्दी उपन्यास (A study of Hindi Novel)	**HIN-V.E-11** भारतीय काव्यशास्त्र (Indian poetics)	**HIN-V.E-12** हिंदी नाटक (Hindi Drama)
Semester VI	**HIN-VI.C-8** हिंदी भाषा,लिपि एवं व्याकरण (Hindi language, script and grammar)	**–**	**HIN-VI.E-13** हिंदी निबंध (Hindi essay)	**HIN-VI.E-14** भाषाविज्ञान (linguistics)	**HIN-VI.E-15** पाश्चात्य काव्यशास्त्र (western poetics)	**HIN-VI.E-16** साहित्य का अंतरानुशासनात्मक अध्ययन (Sahitya ka Antaranushasnatmak Adhayayn)

OPOTIONAL PAPER

Semester I	**FC-HIN.1** भाषा कौशल (Skills of language)
Semester II	**FC-HIN.2** व्यावहारिक हिन्दी (Functional/ Vyavaharik Hindi)

SKILL ENHANCEMENT COURSE

Semester-III	**HIN-III.SEC-1** हिन्दी पथनाट्य (नुक्कड़ नाटक) (Hindi Street Play)
Semester-	**HIN-IV.SEC-2**

IV	हिन्दी एकांकी (Hindi One act Play)

Description of Courses Offered

Core Courses

हिन्दी विभाग द्वारा समय के अनुसार छात्रों के शैक्षिक विकास को ध्यान में रखते हुए कोर कोर्सेस और इलेक्टिव कोर्सेस के रूप में पाठ्यक्रम का निर्माण किया गया है। वर्तमान समय की चुनौतियों और रोजगार के अवसर देखते हुए पाठ्यक्रम में विशेष रूप से इस कोर्स में 'मुद्रित एवं इलेक्ट्रोनिक पत्रकारिता' तथा 'मीडिया लेखन: रेडियो एवं टेलीविजन' को रखा गया है। इसमें छात्र प्रिंट मीडिया और इलेक्ट्रोनिक मीडिया के अंतर्गत समाचार पत्र, रेडियो एवं टेलीविज़न से जुड़ी जानकारी प्राप्त करेंगे। साथ ही इससे छात्रों को रेडियो एवं टेलीविज़न समाचार या धारावाहिक लेखन संबंधी व्यावहारिक अनुभव भी प्राप्त होगा। साथ ही वैश्वीकरण के युग में अनुवाद का महत्त्व जानते हुए अनुवाद कार्य का भी अध्ययन कराया जायेगा जिससे छात्र अनुवाद करने में सक्षम होंगे।

अत: इस पाठ्यक्रम में कोर कोर्सेस के माध्यम से छात्र जीवन मूल्यों से अवगत होंगे एवं व्याकरणिक दृष्टि से शुद्ध हिन्दी लेखन करने में सक्षम होंगे। छात्रों में कहानी एवं काव्य रचना का अध्ययन कर सृजनात्मक लेखन की ओर प्रेरित होंगे। होने।

Elective Course-

वैकल्पिक कोर्सेस के माध्यम से छात्र साहित्य की विविध विधाओं का अध्ययन कर ज्ञान प्राप्त करेंगे। इसलिए वैकल्पिक पाठ्यक्रम के अंतर्गत मध्यकालीन हिन्दी काव्य, कहानी, उपन्यास, निबंध तथा नाटक के साथ साहित्य की अन्य विधाओं का भी अध्ययन करेंगे। इसके अध्ययन से छात्र कहानी, उपन्यास एवं निबंध लेखन की और प्रवृत होंगे। साथ ही साहित्यिक विमर्शों में हिन्दी महिला लेखन तथा दलित लेखन से अवगत होंगे। इसके अलावा भाषिक विकास के लिए भाषा, लिपि, व्याकरण के साथ भाषाविज्ञान के विविध रूपों का अध्ययन करेंगे। साथ ही भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परंपरा का ज्ञान प्राप्त करेंगे।

वैकल्पिक कोर्सेस के अध्ययन से छात्र भविष्य में आनेवाली चुनौतियों का सामना करने लिए सक्षम और आत्मनिर्भर बनेंगे।

Foundation course

यह एक अंतर्विद्याशाखीय कोर्स (Interdisciplinary Course) है। छात्रों के भाषिक कौशल (श्रवण, भाषण, वाचन और लेखन) के विकास को ध्यान में रखते हुए 'भाषा कौशल' कोर्स का अध्ययन कराया जाता है। इस कोर्स के अध्ययन से छात्रों के व्यक्तित्व विकास में सहायता प्राप्त होगी।

Skill Enhancement Course

इस कोर्स में 'हिन्दी एकांकी' एवं 'हिन्दी पथनाट्य' का अध्ययन कराया जाता है। इसके माध्यम से छात्रों में अभिनय एवं संवाद कौशल विकसित होगा और आत्मविश्वास की वृद्धि होगी। इन्हीं अभिनय गुणों के आधारपर छात्र रंगमंच से जुड़ेंगे और अपने भविष्य को सँवारने में सक्षम होंगे।

Generic Elective Course

इस कोर्स में ' हिन्दी महिला लेखन तथा विशेष अध्ययन : हिन्दी कहानी को रखा गया है। इसके माध्यम से छात्र स्त्रीवादी चेतना के स्वरूप एवं महत्त्व से परिचित होकर परंपरागत साहित्य लेखन एवं महिला लेखन में अंतर कर पाएंगे। छात्र विभिन्न लेखकों/कवियों की रचनाओं से अवगत होंगे।

कुल मिलाकर स्नातक स्तर के पाठ्यक्रम के अध्ययन से छात्रों में भाषिक क्षमता का विकास होगा। साहित्य की सभी विधाओं से परिचित होंगे। हिन्दी साहित्य के इतिहास से अवगत होकर विविध साहित्यिक विमर्शों का ज्ञान प्राप्त करेंगे। साथ ही हिन्दी के व्यावहारिक पक्ष के अध्ययन से रोजगार परक क्षमताओं का विकास होगा।

- **Teaching learning Method**

1) परंपरागत पद्धति (Traditional method)
2) चर्चा पद्धति (Discussion/Interactive Method)
3) वाद-विवाद (Debate)
4) नाट्य अभिनय (Role Play)
5) नाटक प्रस्तुतीकरण (Dramatisation)
6) लघु फिल्म एवं विज्ञापन (Short Film and Advertisement)
7) वृतचित्र (Documentary)
8) साक्षात्कार (Interview)
9) छात्रों द्वारा प्रस्तुतीकरण (Student Presentation)
10) अनुभव आधारित शिक्षण पद्धति (Experiential learning- News Reading, Story Telling, Story/Poetry Writing, Imaginative Writing)
11) Flipped Learning

- ## Evaluation method

CA (Continuous Assessment) + SEE (Semester End Exam)

CA (Continuous Assessment) के अंतर्गत-

1) कार्य परियोजना (Assignment)
   (कहानी लेखन, कहानी की समीक्षा, कहानी का अनुवाद, उपन्यास की समीक्षा, साक्षात्कार)
   (Story Writing, Story Review, Translation of Story, Novel review, Interview)
2) बहुविकल्पीय प्रश्न/लिखित परीक्षा (MCQ/Written Exam)
3) प्रस्तुतीकरण (प्रपत्र प्रस्तुतीकरण, दृश्य-श्रव्य प्रस्तुतीकरण, विज्ञापन, लघु फिल्म/ वृत्त चित्र) (Presentation (Paper Presentation, audio-visual Presentation, Advertisement, Short Film/Documentry)

- **Activities of the Department**

- हिन्दी विभाग में प्रति वर्ष विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। इन कार्यक्रमों में सहभाग लेने के कारण छात्र का का सर्वांग विकास होता है। उनका आत्मविश्वास बढ़ता है तथा उनके कई सुप्त गुणों को मंच प्राप्त होता है।

1) **न्यूज लेटर (News letter)**
छात्रों द्वारा लिखित निबंध,कहानी,आलेख, कविता,को न्यूज़ लेटर में सम्मिलित किया जाता है। जिससे छात्रों के सृजनात्मक क्षमता का विकास होता है।

2) **तुलसीदास एवं प्रेमचंद जयंती (Tulsidas evam** Premchand Jayanti)
पार्वतीबाई चौगुले महाविद्यालय कला एवं विज्ञान (स्वायत्त) के हिन्दी विभाग द्वारा तुलसी एवं प्रेमचंद जयंती मनाई जाती है। इस सुअवसर पर छात्र प्रपत्र प्रस्तुतीकरण, भजन एवं प्रेमचंदजी द्वारा रचित हिन्दी कहानियों का नाट्य रूपान्तरण प्रस्तुत करते हैं। तुलसी एवं प्रेमचंद जयंती के माध्यम से विद्यार्थियों में हिन्दी के सर्वश्रेष्ठ साहित्यकार एवं उनकी रचनाओं के प्रति जिज्ञासा एवं रुचि उत्पन्न होती है।

3) **हिन्दी सप्ताह (Hindi Saptah)**
हिन्दी विभाग में हिन्दी सप्ताह प्रति वर्ष बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। सप्ताह के अंतर्गत उद्घाटन से लेकर अंतिम दिन तक समसामयिक संदर्भों से जुड़े विषयों पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। जिनका विवरण इस प्रकार है- स्वरचित काव्यवाचन, गीतगायन, भाषण, निबंध लेखन तथा अंताक्षरी प्रतियोगिता। विद्यार्थी इसमें सहभाग लेते हैं और अनगिनत पुरस्कार प्राप्त करते हैं। 'हिन्दी सप्ताह' के आयोजन से हिन्दी के विद्यार्थियों के बीच हिन्दी पढ़ने का माहौल तैयार होता है। इस सप्ताह का उद्देश्य छात्रों में हिन्दी के प्रति रुचि उत्पन्न करना तथा उन्हें एक ऐसा मंच प्रदान करना जहाँ से वे स्वयं को अभिव्यक्त कर सकें।

4) **अंतरमहाविद्यालयीन वक्तृत्व स्पर्धा (intercollegiate Elocution Competition)**
पार्वतीबाई चौगुले महाविद्यालय कला एवं विज्ञान (स्वायत्त) के हिन्दी विभाग द्वारा प्रति वर्ष 'राज्य स्तरीय अंतर महाविद्यालयीन भाषण प्रतियोगिता' का आयोजन किया जाता है । इस प्रतियोगिता में गोवा के विभिन्न महाविद्यालयों एवं गोवा विश्वविद्यालय-हिन्दी विभाग के छात्र सहभाग लेते हैं तथा इस कार्यक्रम की शोभा बढाते हैं। विजेताओं को पुरस्कार के रूप में धन राशि प्राप्त होती है। सभी छात्रों को प्रतियोगिता में सहभाग लेने तथा उनका प्रोत्साहन बड़ाने हेतु प्रमाण पत्र दिये

जाते हैं। 'राज्यस्तरीय भाषण प्रतियोगिता' के माध्यम से गोवा राज्य के अन्य महाविद्यालयों के विद्यार्थियों से जुड़ना और उन्हें अपने महाविद्यालय से एम. ए. करने के लिए प्रेरित करना है।

5) **पार्वतीबाई वाचन मंदिर (Parvati Vachan Mandir)**

'पार्वती वाचन मंदिर' के माध्यम से विद्यार्थियों में साहित्यिक समझ तथा आलोचनात्मक दृष्टि का निर्माण करना हमारा मुख्य उद्देश्य है। पार्वतीबाई वाचन मंदिर में छात्रों द्वारा कहानी तथा काव्य वाचन, प्रपत्र प्रस्तुतीकरण किया जाता है।

Course Syllabus

F.Y.B.A - (Semester – I)
<u>Core Paper</u>

Paper Title: हिन्दी कहानी एवं शब्द साधन

Paper Code: HIN -I.C-1
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:
प्रारंभिक कहानियों से लेकर वर्तमान समय तक लिखी जाने वाली कहानियों की विद्यार्थियों को जानकारी देना। ये कहानियाँ वर्तमान एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़ी होने के साथ ही मूल्यनिष्ठ कहानियाँ हैं। इसके साथ ही विद्यार्थियों को व्याकरण की भी जानकारी देनी है।

Course Outcome:
1) छात्रों को कहानी एवं कहानीकारों की जानकारी प्राप्त होगी।
2) कहानियों के माध्यम से छात्र जीवन मूल्यों से परिचित एवं प्रभावित होंगे तथा उनमें संघर्ष भावना एवं आत्मविश्वास पैदा होगा।
3) छात्र व्याकरण को समझने में सक्षम होंगे और व्याकरणिक दृष्टि से शुद्ध हिन्दी लेखन में भी प्रवीण होंगे।

Syllabus:
कहानी संग्रह: हिन्दी विभाग-पार्वतीबाई चौगुले कॉलेज मडगांव,गोवा
(बी.ओ.एस की सहमति के अनुसार संकलित कहानी संग्रह)

व्याकरण: शब्द के भेद, वर्तनी एवं शुद्धलेखन, शब्दयुग्म, मुहावरे, पर्यायवाची शब्द, वाक्यांश के लिए एक शब्द, कारक का सामान्य परिचय।

इकाई विभाजन:

इकाई एक : (15 Lectures)

1. उसने कहा था- चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी'।
2. बड़े भाई साहब- प्रेमचंद।
3. परदा- यशपाल।

इकाई दो : (15 Lectures)

1. मलबे का मालिक- मोहन राकेश।
2. गोपाल को किसने मारा- मन्नू भण्डारी।

इकाई तीन : (15 Lectures)

1. चीफ़ की दावत- भीष्म साहनी।
2. दिल्ली में एक मौत - कमलेश्वर।
3. अपनी वापसी- चित्रा मुद्गल।

इकाई चार : शब्द साधन (15 Lectures)

1. शब्द के भेद।
2. वर्तनी एवं शुद्धलेखन।
3. शब्दयुग्म।
4. मुहावरे।
5. पर्यायवाची शब्द।
6. वाक्यांश के लिए एक शब्द।
7. कारक का सामान्य परिचय।

संदर्भ ग्रंथ

1. डॉ. नामवर सिंह, 'कहानी नयी कहानी', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2016
2. मधुरेश, 'हिन्दी कहानी का इतिहास' लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2014
3. गोपालराय,'हिन्दी कहानी का इतिहास',राजकमल प्रकाशन,दिल्ली, 2018
4. रामचंद्र तिवारी, 'हिन्दी का गद्य साहित्य',विश्वविद्यालय प्रकाशन 2016
5. कामताप्रसाद गुरु-'हिन्दी व्याकरण',लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2015
6. डॉ. ब्रजकिशोर प्रसाद सिंह –'हिन्दी व्याकरण', नमन प्रकाशन, नई दिल्ली, 2009

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of F.Y. B.A. Hindi

हिन्दी कहानी एवं शब्द साधन

आंतरिक मूल्यांकन:
पूर्णांक: 60
आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना(Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखित परीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्र प्रस्तुतीकरण (Paper Presentation) (20)

सत्रांत परीक्षा (SEE)

पूर्णांक: 40

समय: 1:30 घंटे

प्रश्न 1 : लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 : दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई एक) (10)

प्रश्न 3 : टिप्पणियाँ/ संदर्भ सहित व्याख्या (10)

प्रश्न 4. व्याकरण (10)

****

F.Y.B.A - (Semester – I)

Core Paper

Paper Title: हिन्दी कविता एवं काव्य सौंदर्य

Paper Code: HIN-I.C-2

Marks: 100

Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

मध्ययुगीन एवं आधुनिक कवियों एवं कविताओं की विद्यार्थियों को जानकारी देना। साथ ही काव्य सौंदर्य के अंतर्गत अलंकार, छंद एवं समास की जानकारी देना।

Course Outcome:

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से -

1) विद्यार्थी मध्ययुगीन एवं आधुनिक कवियों और उनकी कविताओं की जानकारी प्राप्त करेंगे।
2) मध्ययुगीन समाज और जीवन दृष्टि से आधुनिक जीवन दृष्टि की तुलनात्मक क्षमता विकसित होगी।
3) विद्यार्थी काव्य रचना की ओर प्रेरित होंगे।
4) विद्यार्थियों में काव्य सौंदर्य की दृष्टि विकसित होगी।

Syllabus:

कविता संग्रह: हिन्दी विभाग-पार्वतीबाई चौगुले कॉलेज मडगांव,गोवा
(बी.ओ.एस की सहमति के अनुसार संकलित कविता संग्रह)

काव्य सौंदर्य: अलंकार, छंद एवं समास

इकाई विभाजन:

इकाई एक : **(15 Lectures)**

1. कबीर बानी। (10 दोहे)
2. सूर के पद । (5 पद)
3. रामराज्य वर्णन। (तुलसीदास, आरंभ के 5 दोहे एवं चौपाइयां)

इकाई दो : **(15 Lectures)**

1. रहीम के दोहे- रहीम।
2. जूही की कली- सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'।
3. सवेरे उठा तो धूप खिली थी- सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'।

इकाई तीन : **(15 Lectures)**

1. बीस साल बाद- सुदामा पाण्डेय 'धूमिल'।
2. बेजगह- अनामिका।
3. समास।

इकाई चार : काव्यसौंदर्य। (15 Lectures)

1. शब्दालंकार -अनुप्रास, यमक, श्लेष।
2. अर्थालंकार- उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा।
3. मात्रिक छंद- दोहा, सोरठा, चौपाई।
4. वर्णिक छंद- इंद्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, सवैया।

संदर्भ ग्रंथ

1. रामस्वरूप चतुर्वेदी, 'हिन्दी कवि का इतिहास',लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2012
2. देवेन्द्रनाथ शर्मा,'काव्य के तत्व', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2013
3. हजारीप्रसाद द्विवेदी, 'मध्यकालीन बोध का स्वरूप', राजकमल प्रकाशन,2003
4. रामबहोरी शुक्ल, 'हिन्दी प्रदीप' हिन्दी भवन, इलाहाबाद, 2010
5. भगीरथ मिश्र-'काव्यशास्त्र',विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1999
6. डॉ. ब्रजकिशोर प्रसाद सिंह –'हिन्दी व्याकरण', नमन प्रकाशन, नई दिल्ली, 2009

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of F.Y. B.A. Hindi

हिन्दी कविता एवं काव्य सौन्दर्य

आंतरिक मूल्यांकन:
पूर्णांक: 60
आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना(Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखित परीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्र प्रस्तुतीकरण (Paper Presentation) 20)

सत्रांत परीक्षा (SEE)

पूर्णांक: 40

समय: 1:30 घंटे

प्रश्न 1 : लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 : दीर्घोत्तरी प्रश्न (कोई एक) (10)

प्रश्न 3: संदर्भ सहित व्याख्या (10)

प्रश्न 4 : व्याकरण (10)

****

F.Y.B.A - (Semester – II)

Core Paper

Paper Title: हिन्दी नाटक, वृत्तचित्र एवं फीचर फिल्म

Paper Code: HIN-II.C-3

Marks: 100

Credit: 4 (60 Lectures)

Course Objective

शंकर शेष का नाटक 'एक और द्रोणाचार्य' के माध्यम से नाटक का परिचय कराते हुए विद्यार्थियों को आज की शिक्षा व्यवस्था की वास्तविकता का परिचय कराना। साथ ही वृत्तचित्र एवं फीचर फिल्म लेखन के सैद्धांतिक पक्ष की जानकारी देना।

Course Outcome:

1) विद्यार्थी नाट्य परंपरा से परिचित होंगे।
2) 'एक और द्रोणाचार्य' नाटक एवं नाटककार शंकर शेष के रचना संसार से परिचित होंगे।
3) विद्यार्थियों में अभिनय कौशल के प्रति अभिरुचि पैदा होगी।
4) वर्तमान शिक्षा व्यवस्था की वास्तविकता का परिचय होगा।
5) वृत्तचित्र एवं फीचर लेखन के सैद्धांतिक पक्ष से परिचित होंगे।

Syllabus:

1. 'एक और द्रोणाचार्य' - शंकर शेष
2. वृत्तचित्र एवं फ़ीचर फ़िल्म।

इकाई विभाजन:

इकाई - 1. **(15 Lectures)**

1. नाटक की अवधारणा।
2. नाटक का स्वरूप।
3. नाटक के तत्त्व।

इकाई - 2. 'एक और द्रोणाचार्य' का पाठ्यालोचन। **(15 Lectures)**

इकाई - 3. 'एक और द्रोणाचार्य' का समीक्षात्मक अध्ययन। **(15 Lectures)**

इकाई - 4. वृत्तचित्र एवं फ़ीचर फ़िल्म। **(15 Lectures)**

1. वृत्तचित्र की अवधारणा एवं विशेषताएँ।

2. फीचर फिल्म की अवधारणा एवं विशेषताएँ।

3. वृत्तचित्र एवं फीचर फिल्म में अंतर।

संदर्भ ग्रंथ

1. दशरथ ओझा, 'हिन्दी नाटक का विकास',राजपाल एण्ड सन्स, नयी दिल्ली,2003
2. साठोत्तर हिन्दी नाटक-के. वी. नारायण कुरूप लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद, 2007
3. समकालीन फिल्मों के आईने में समाज–सत्यदेव त्रिपाठी शिल्पायन प्रकाशन,दिल्ली, 2013
4. साहित्य और सिनेमा –सं.डॉ.शैलजा भारद्वाज,चिंतन प्रकाशन,कानपुर, 2013
5. सिनेमा और साहित्य- हरीश कुमार संजय प्रकाशन,दिल्ली,2010
6. मनोहर श्याम जोशी, 'पटकथा लेखन',राजकमल प्रकाशन,दिल्ली, 2002

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of F.Y. B.A. Hindi

हिन्दी नाटक: वृत्तचित्र एवं फीचर लेखन

आंतरिक मूल्यांकन:

पूर्णांक: 60

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना(Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखित परीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्र प्रस्तुतीकरण/ नाट्य प्रस्तुतीकरण (Paper/Drama Presentation) (20)

सत्रांत परीक्षा (SEE)

पूर्णांक: 40

समय: 1:30 घंटे

प्रश्न 1 : लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 : लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 3 : दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 4 : संदर्भ सहित व्याख्या/ (10)

****

F.Y.B.A - (Semester – II)

<u>Core Paper</u>

Paper Title: हास्य - व्यंग्य निबंध एवं पत्रकारिता

Paper Code: HIN-II.C-4

Marks: 100

Credit: 4 (60 Lectures)

Course Objectives:

भारतेन्दु युग से लेकर अब तक के हास्य- व्यंग्य निबंधों से विद्यार्थियों का परिचय कराना, ताकि वे हास्य-व्यंग्य निबंधों की गंभीरता एवं वैचारिकता को समझ सकें। साथ ही पत्रकारिता की जानकारी से विद्यार्थी रोजगार से जुड़ सकेंगे।

Course Outcome:

6) विद्यार्थी निबंध विधा से परिचित होंगे।
7) हास्य एवं व्यंग्य की अवधारणा तथा स्वरूप को समझेंगे।
8) पत्रकारिता का सामान्य परिचय प्राप्त करेंगे।
9) पत्रकारिता की उपयोगिता एवं महत्त्व समझेंगे।

Syllabus: **हिंदी हास्य-व्यंग्य निबंध संग्रह-** हिन्दी विभाग-पार्वतीबाई चौगुले कॉलेज मडगांव,गोवा
(बी.ओ.एस की सहमति के अनुसार संकलित निबंध संग्रह)

पत्रकारिता: सामान्य परिचय, भेद, उपयोगिता और महत्त्व।

इकाई एक - **(15 Lectures)**

1. हास्य एवं व्यंग्य की अवधारणा एवं स्वरूप।
2. हास्य एवं व्यंग्य के तत्त्व।
3. हास्य एवं व्यंग्य में अंतरसंबंध।

इकाई दो - **(15 Lectures)**

1. नया साल- अमृतराय।
2. अपना मकान- इंद्रनाथ मदान।
3. पगडंडियों का जमाना- हरिशंकर परसाई।

इकाई तीन - **(15 Lectures)**

1. अध्यक्ष महोदय -शरद जोशी ।
2. घूस एक चिकनाई है- रवीद्र कालिया।
3. धमाका- अभिमन्यु अनत।

इकाई चार - **(15 Lectures)**

1. पत्रकारिता का सामान्य परिचय।
2. पत्रकारिता के भेद।
3. पत्रकारिता की उपयोगिता एवं महत्त्व। **(15 Lectures)**

संदर्भ ग्रंथ

1. डॉ.बालेन्दु शेखर तिवारी,'हिन्दी का स्वातंत्र्योत्तर हास्य और व्यंग्य',अन्नपूर्णा प्रकाशन, कानपुर,1978
2. डॉ. प्रेमनारायन टंडन,'हिन्दी साहित्य में हास्य-व्यंग्य',हिन्दी साहित्य भंडार,लखनऊ,1975
3. डॉ. उषा शर्मा,'हिन्दी निबंध साहित्य में व्यंग्य',आत्माराम एण्ड सन्स कश्मीरी गेट, दिल्ली, 1985
4. प्रयोजनमूलक हिन्दी – विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, वर्ष 2007
5. डॉ.माधव सोनटक्के,'प्रयोजनमूलक हिन्दी', लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद,2008
6. कैलाशचंद्र पाण्डेय, 'प्रयोजनमूलक हिन्दी की नयी भूमिका', लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद, 2007

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of F.Y. B.A. Hindi

हास्य-व्यंग्य निबंध एवं पत्रकारिता

आंतरिक मूल्यांकन:
पूर्णांक: 60
आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना (Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखितपरीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्र प्रस्तुतीकरण/ (PaperPresentation) (20)

सत्रांत परीक्षा (SEC)

पूर्णांक: 40

समय: 1:30 घंटे

प्रश्न1 : लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 : लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 3 : दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 4 : संदर्भ सहित व्याख्या (10)

****

F.Y.B.A - (Semester – I)
<u>Optional Paper</u>

Paper Title: व्यावहारिक हिन्दी

Paper Code:

Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:
आज साहित्यिक हिन्दी के साथ – साथ उसका व्यावहारिक रूप उभरकर सामने आ रहा है। उदाहरण के रूप में बैंक के क्षेत्र में, रेल विभाग में, रेडियो, दूरदर्शन तथा विभिन्न जनसंचार माध्यमों में हिन्दी के व्यावहारिक रूप से विद्यार्थियों को परिचित कराना।

Course Outcome:

1) विद्यार्थी व्यावहारिक हिन्दी का परिचय प्राप्त करेंगे।
2) विविध क्षेत्रों में व्यावहारिक हिन्दी के प्रयोग से परिचित होंगे।
3) कार्यालयीन पत्राचार से परिचित होंगे।
4) अनुवाद-प्रक्रिया और उसके महत्त्व को समझेंगे।
5) विद्यार्थियों में मानक वर्तनी लेखन की क्षमता विकसित होगी।

पाठ्यक्रम एवं इकाई विभाजन
इकाई एक : व्यावहारिक हिन्दी का सामान्य परिचय, स्वरूप एवं व्याप्ति (15 Lectures)

1. व्यावहारिक एवं साहित्यिक हिंदी: सामान्य परिचय एवं विशेषताएँ।
2. हिंदी भाषा का उद्भव और विकास।
3. राष्ट्रभाषा, राजभाषा एवं संपर्क भाषा (सामान्य परिचय)।

इकाई दो : व्यावहारिक हिन्दी के विविध क्षेत्र :सामान्य परिचय (15 Lectures)

कार्यालयीन पत्राचार- 1. आवेदन पत्र।
2. अनुस्मारक।
3. शिकायती पत्र।
4. बधाई पत्र।

इकाई तीन : अनुवाद (15 Lectures)

1. अनुवाद: अवधारणा एवं स्वरूप।
2. अनुवाद की प्रक्रिया।
3. अनुवाद के प्रकार।
4. अनुवाद की उपयोगिता।

इकाई चार : हिन्दी व्याकरण (15 Lectures)

1. मानक वर्तनी लेखन।
2. वाक्य विन्यास।

3. लिंग।
4. वचन।
5. कारक।
6. उपसर्ग।
7. प्रत्यय।

(सामान्य परिचय एवं प्रयोग**)**

संदर्भ ग्रंथ

1. डॉ. अंबादास देशमुख ,'प्रयोजनमूलक हिन्दी अधुनातन आयाम', शैलजा प्रकाशन, कानपुर, 2006
2. विनोद गोदरे ,'प्रयोजनमूलक हिन्दी', वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2007
3. डॉ.माधव सोनटक्के,'प्रयोजनमूलक हिन्दी', लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद,2008
4. कैलाशचंद्र पाण्डेय, 'प्रयोजनमूलक हिन्दी की नयी भूमिका', लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद, 2007
5. कामताप्रसाद गुरु-'हिन्दी व्याकरण',लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2015
6. डॉ. ब्रजकिशोर प्रसाद सिंह –'हिन्दी व्याकरण', नमन प्रकाशन, नई दिल्ली, 2009

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of F.Y. B.A. Hindi

व्यावहारिक हिन्दी

आंतरिक मूल्यांकन:
पूर्णांक: 60
आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना/साक्षात्कार (Assignment/interview) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ) (20)
3. लिखित परीक्षा (Written Test) (20)

सत्रांत परीक्षा (SEC)

पूर्णांक: 40

समय: 1:30 घंटे

प्रश्न1 : लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 : लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 3 : दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 4 : संदर्भ सहित व्याख्या (10)

****

F.Y.B.A - (Semester – II)

<u>Optional Paper</u>

Paper Title: भाषा कौशल
Paper Code:

Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:
इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों में भाषा कौशल की वृद्धि कराना है। संगणक युग में भी भाषण, लेखन वाचन, लेखन कौशल बना रहे, इस दिशा में प्रयत्न कराना है। उन्हें क्रमश: इन चार कौशलों के माध्यम से उस सोपान तक ले जाना है, जहाँ वे हिन्दी भाषा का प्रयोग एवं लेखन सही ढंग से कर सकें।

Course Outcome:
6) भाषण-कला विकसित होगी।
7) श्रवण-क्षमता का विकास होगा।
8) वाचन-कौशल पैदा होगा।
9) लेखन-कला विकसित होगी।
10) हिन्दी भाषा के व्यवहार में दक्ष होंगे।

Syllabus:

इकाई एक -भाषा-कौशल: सामान्य परिचय एवं भाषा-कौशल का महत्त्व (15 Lectures)

इकाई दो- भाषण एवं श्रवण कौशल। (15 Lectures)

1. भाषण एवं श्रवण कौशल का स्वरूप।
2. भाषण एवं श्रवण कौशल का महत्त्व।
3. भाषण एवं श्रवण कौशल के उद्देश्य।
4. भाषण एवं श्रवण कौशल की विशेषताएँ।
5. भाषण एवं श्रवण कौशल को बेहतर करने के उपाय।

इकाई तीन- वाचन कौशल। (15 Lectures)

1. वाचन कौशल का स्वरूप।
2. वाचन कौशल का महत्त्व।
3. वाचन कौशल के उद्देश्य।
4. वाचन कौशल की विशेषताएँ।
5. वाचन कौशल को बेहतर करने के उपाय।

इकाई चार- लेखन कौशल। (15 Lectures)

1. लेखन कौशल का स्वरूप।
2. लेखन कौशल का महत्त्व।
3. लेखन कौशल के उद्देश्य।
4. लेखन कौशल की विशेषताएँ।
5. लेखन कौशल को बेहतर करने के उपाय।

संदर्भ ग्रंथ

1. हिन्दी का सही प्रयोग – नीलम मान, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली, वर्ष 2005
2. भानुशंकर मेहता, 'बोलने की कला',विश्वविद्यालय प्रकाशन,वाराणसी, 2013
3. ईश्वरचंद राही, 'लेखन कला का इतिहास',उत्तरप्रदेश हिन्दी संस्थान,लखनऊ,1983
4. रामचंद्र वर्मा,'अच्छी हिन्दी', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,2008
5. शशिबाला-'हिन्दी शिक्षण विधियाँ',डिस्कवरी पब्लिशिंग हाउस,नई दिल्ली,2006

नोट : इस प्रश्न पत्र पर विद्यार्थियों से व्यावहारिक कार्य कराया जाएगा।

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of F.Y. B.A. Hindi

भाषा कौशल

आंतरिक मूल्यांकन:

पूर्णांक: 60

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. साक्षात्कार (Interview) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ) (20)
3. कहानी लेखन (Story writing) (20)

सत्रांत परीक्षा (SEE)

पूर्णांक: 40

समय: 1:30 घंटे

प्रश्न 1 : लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 : लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 3 : दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 4 : निबंध लेखन (10)

****

S.Y.B.A - (Semester – III)

<u>Core Course</u>

_**S.Y.B.A - (Semester – III)**

Course Title: प्रयोजनमूलक हिन्दी: अनुवाद एवं पत्रलेखन

Marks: 100

Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

आजका युग आधुनिकीकरण,निजीकरण और भूमंडलीकरण की प्रक्रिया से गुजर रहा है। ऐसी स्थिति में हिन्दी की भूमिका केवल साहित्यिक हिन्दी तक सीमित न रहकर नए ज्ञान विज्ञान एवं तकनीकी क्षेत्रों से गुजर रही है। इन क्षेत्रों में प्रयोजनमूलक हिन्दी की अहम भूमिका है। अनुवाद और पत्रलेखन का महत्व तथा उसकी आवश्यकता को ध्यान में रखकर इन क्षेत्रों में बढ़ते अवसरों से विद्यार्थियों को परिचित कराना।

Course Outcome:

1) विद्यार्थी प्रयोजनमूलक हिन्दी का परिचय प्राप्त करेंगे।
2) राजभाषा संबंधी प्रमुख प्रावधानों की जानकारी प्राप्त करेंगे।
3) विद्यार्थी अनुवाद कार्य में निपुण होंगे।
4) विद्यार्थी व्यावसायिक एवं कार्यालयीन पत्र लेखन में सक्षम होंगे

Syllabus:

इकाई एक- (15 Lectures)

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी का सामान्य परिचय।
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी के विविध क्षेत्र

इकाई दो - (15 Lectures)

1. राजभाषा के रूप में हिंदी का विकास।
2. राजभाषा संबंधी प्रमुख प्रावधान

इकाई तीन - अनुवाद लेखन (15 Lectures)

1. अनुवाद: अवधारणा एवं स्वरूप
2. अनुवाद के प्रकार।
3. कार्यालयीन अनुवाद
4. व्यावसायिक एवं वाणिज्यिक अनुवाद
5. साहित्यिक अनुवाद

इकाई चार- पत्र-लेखन (15 Lectures)

1. व्यावसायिक पत्र-लेखन: पूछताछ, क्रयादेश, अनुस्मारक।
2. कार्यालयीन पत्रलेखन: कार्यालय ज्ञापन, कार्यालय आदेश, परिपत्र, कार्यवृत्त।

संदर्भग्रंथ

1. डॉ. अंबादास देशमुख ,'प्रयोजनमूलक हिन्दी अधुनातन आयाम', शैलजा प्रकाशन, कानपुर, 2006
2. विनोद गोदरे ,'प्रयोजनमूलक हिन्दी', वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2007
3. डॉ.माधव सोनटक्के,'प्रयोजनमूलक हिन्दी', लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद,2008
4. कैलाशचंद्र पाण्डेय, 'प्रयोजनमूलक हिन्दी की नयी भूमिका', लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद, 2007

5. डॉ. अर्जुन चव्हाण,मीडिया कालीन हिन्दी:स्वरूप और संभावनाएँ,राधाकृष्ण प्रकाशन,दिल्ली,2005
6. जितेंद्र गुप्त,पत्रकारिता में अनुवाद, राधाकृष्ण प्रकाशन,दिल्ली,2006

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of F.Y. B.A. Hindi

प्रयोजनमूलक हिन्दी : अनुवाद एवं पत्रलेखन

आंतरिक मूल्यांकन:
पूर्णांक: 60

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना (Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ) (20)
3. लिखित परीक्षा (written Test) (20)

सत्रांत परीक्षा (SEE)

पूर्णांक: 40

समय: 1:30 घंटे

प्रश्न 1 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 3 अनुवाद लेखन (10)

प्रश्न4 पत्रलेखन (10)

****

S.Y.B.A - (Semester – III)

<u>Elective Course</u>

Course Title: हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल,भक्तिकाल एवं रीतिकाल)

Course Code: HIN-III E-1

Marks: 100

Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:
प्रारंभ से लेकर रीतिकाल तक हिन्दी साहित्य के इतिहास की विद्यार्थियों को जानकारी देना। इससे विद्यार्थियों को ज्ञात होगा कि आज हिन्दी का जो स्वरूप है, उसका प्रारंभिक रूप किस प्रकार का था। वे प्राचीन हिन्दी भाषा और विशेष रूप से प्राचीन एवं मध्यकालीन साहित्य से परिचित होंगे।

Course Outcome:

6) हिन्दी साहित्य की आदिकालीन परिस्थितियों एवं विभिन्न काव्य-प्रवृत्तियों से परिचित होंगे।
7) भक्ति आंदोलन के पृष्ठभूमि एवं परिवेश से परिचित होंगे।
8) रीतिकालीन परिवेश एवं प्रवृत्तियों का ज्ञान होगा।
9) प्राचीन भाषाओं के साथ विभिन्न काव्य धाराओं परिचय प्राप्त होगा।

Syllabus:

इकाई **एक -आदिकाल** **(15 Lectures)**

आदिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि, रासो काव्य परंपरा, सिद्ध, जैन एवं नाथ काव्य परंपरा का

सामान्य परिचय एवं प्रवृत्तियाँ।

इकाई **दो- निर्गुण भक्तिधारा** **(15 Lectures)**

भक्तिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि और संत एवं सूफी धाराओं का सामान्य परिचय एवं प्रवृत्तियाँ।

इकाई **तीन- सगुण भक्तिधारा** **(15 Lectures)**

राम एवं कृष्ण काव्य धारा का सामान्य परिचय एवं प्रवृत्तियां।

इकाई **चार - रीति काल** **(15 Lectures)**

रीतिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि और रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त काव्य धाराओं का सामान्य परिचय एवं प्रवृत्तियाँ।

संदर्भ ग्रंथ:

1) डॉ. बच्चन सिंह,हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास,राधाकृष्ण प्रकाशन,नयी दिल्ली,2015
2) डॉ. विजयपाल सिंह,हिन्दी साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन,नयी दिल्ली,2011
3) डॉ. रामकुमार वर्मा,हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,2010
4) डॉ.नगेन्द्र,हिन्दी साहित्य का इतिहास,नेशनल पब्लिशिंग हाऊस,दिल्ली,2014
5) आचार्य रामचंद्र शुक्ल,हिन्दी साहित्य का इतिहास,प्रभात प्रकाशन,दिल्ली,2006
6) डॉ. शिवकुमार शर्मा,हिन्दी साहित्य: युग और प्रवृत्तियाँ, अशोक प्रकाशन, नई सड़क,दिल्ली,1986

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of S.Y. B.A. Hindi

हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल,भक्तिकाल एवं रीतिकाल)

आंतरिक मूल्यांकन:
पूर्णांक: 60
आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना(Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखित परीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्र प्रस्तुतीकरण (Paper Presentation) (20)

सत्रांतपरीक्षा (SEE)

पूर्णांक: 40

समय:1:30 घंटे

प्रश्न 1 : लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 : लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 4 : टिप्पणी (10)

****

<u>Elective Course</u>

Course Title: मध्यकालीन काव्य (चयनित कविताएँ)
Course Code: HIN-III E-2
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

विद्यार्थियों को मध्यकालीन परिस्थितियों से अवगत कराते हुए तत्कालीन कवियों से परिचित कराना। साथ ही रीतिकाल की कुछ प्रमुख शृंगारिक रचनाओं के माध्यम से यह बताना कि रीतिकालीन कविताएँ किस प्रकार दरबारी संस्कृति से जुड़ गई।

Course Outcome:

6) मध्यकालीन काव्य की प्रासंगिकता से परिचित होंगे।
7) सगुण भक्ति काव्य परंपरा और उनकी दार्शनिक मान्यताओं से अवगत होंगे।
8) मीरा के माध्यम से मध्यकालीन नारी जीवन और सामंती व्यवस्था से उसके प्रतिरोध के स्वर को समझेंगे।
9) रीतिकालीन शृंगारिक काव्य एवं अभिव्यंजना कौशल को समझेंगे।

Syllabus:

इकाई **1.**	कबीर और जायसी।	**(15 Lectures)**
इकाई **2.**	सूरदास और तुलसीदास।	**(15 Lectures)**
इकाई **3.**	रविदास और मीराबाई।	**(15 Lectures)**
इकाई **4.**	बिहारी और घनानन्द।	**(15 Lectures)**

(प्रत्येक के 10 दोहे एवं 5 पदों की व्याख्या)

संदर्भ ग्रंथ-

1) विश्वंभर 'मानव', 'प्राचीन कवि', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, नयी दिल्ली,2009
2) सं. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, *जायसी ग्रंथावली*- ना.प्र.स., वाराणसी,1995
3) विश्वनाथ त्रिपाठी, 'मीरा का काव्य,' वाणी प्रकाशन-21-ए,दरियागंज,नयी दिल्ली,2010
4) श्री. जगन्नाथदास 'रत्नाकर', 'बिहारी रत्नाकर,' लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, नयी दिल्ली,2015
5) डॉ. शिवकुमार शर्मा, 'हिन्दी साहित्य: युग और प्रवृत्तियाँ', अशोक प्रकाशन,नयी सड़क,दिल्ली,1986

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of S.Y. B.A. Hindi

मध्यकालीन काव्य (चयनित कविताएं)

आंतरिक मूल्यांकन:
पूर्णांक: 60
आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना (Assignment) (20)

2. बहुविकल्पीयप्रश्न/ लिखितपरीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्रप्रस्तुतीकरण/ (PaperPresentation) (20)

सत्रांतपरीक्षा (SEE)

पूर्णांक: 40

समय: 1:30 घंटे

प्रश्न 1 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 4 संदर्भ सहित व्याख्या (10)

****

S.Y.B.A - (Semester – III)
<u>Elective Course</u>

Course Title: हिन्दी महिला लेखन
Course Code: HIN-III E-3
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

हिन्दी में महिला लेखन अपने से पूर्व के साहित्य से किस प्रकार अलग है, इसकी जानकारी विद्यार्थियों को देना। साथ ही इस लेखन का उद्देश्य क्या है, इसका भी विद्यार्थियों को ज्ञान कराना।

Course Outcome:

6) इसके माध्यम से स्त्रीवादी चेतना का स्वरूप एवं महत्त्व से परिचित होंगे।
7) परंपरागत साहित्य लेखन एवं महिला लेखन के अंतर को समझेंगे।
8) महिला रचनाकारों एवं उनकी रचनाओं से अवगत होंगे।
9) महिलाओं की सामाजिक समस्याओं एवं नारी चेतना का ज्ञान होगा।

Syllabus :

इकाई एक -महिला लेखन की अवधारणा, पृष्ठभूमि, स्वरूप एवं विकास। (15 Lectures)

इकाई दो - तीन चयनित कहानियाँ। (15 Lectures)

1. तीसरा हिस्सा- मन्नू भण्डारी।
2. महानगर की मैथिली- सुधा अरोड़ा।
3. वापसी- उषा प्रियंवदा।

इकाई तीन - तीन चयनित कहानियाँ। (15 Lectures)

4. मामला आगे बढ़ेगा अभी - चित्रा मुद्गल।
5. फैसला - मैत्रैयी पुष्पा।
6. हुस्नबानों का आठवां सवाल- शरद सिंह यादव

इकाई चार- छह चयनित कविताएँ। (15 Lectures)

1. स्त्रियाँ –अनामिका।
2. चिड़ियाँ की आँख से- निलेश रघुवंशी।
3. घर की चौखट से बाहर- सुशीला टाकभोरे।
4. सात भाइयों के बीच चंपा- कात्यायनी।
5. अहल्या- प्रभा खेतान।
6. मुझे रो लेने दो- जयश्री राय।

संदर्भ ग्रंथ:

1) सरला माहेश्वरी, *नारी प्रश्न*, राधाकृष्ण प्रकाशन,नयी दिल्ली,2007
2) क्षमा शर्मा, 'स्त्रीत्ववादी विमर्श: समाज और साहित्य',राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली,2008
3) माधुरी छेड़ा,'आधुनिक कथा साहित्य में नारी:स्वरूप और प्रतिमा',अरविंद प्रकाशन,बंबई,1994
4) कुमार राधा, 'स्त्री संघर्ष का *इतिहास*', नई दिल्ली, वाणी प्रकाशन, 2002

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of S.Y. B.A. Hindi

हिन्दी महिला लेखन

आंतरिक मूल्यांकन:
पूर्णांक :60
आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना (Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखितपरीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्र प्रस्तुतीकरण/ (PaperPresentation) (20)

सत्रांत परीक्षा (SEE)

पूर्णांक 40
समय:1:30 घंटे
प्रश्न 1 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)
प्रश्न 2 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)
प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)
प्रश्न 4 संदर्भ सहित व्याख्या (10)

****

S.Y.B.A - (Semester – III)

Elective Course

Course Title: हिंदी दलित लेखन

Course Code: HIN-III E-4

Marks: 100

Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

हिन्दी में दलित लेखन साहित्य की मुख्य धारा से किस प्रकार अलग है, इसकी जानकारी विद्यार्थियों को देना। साथ ही इस लेखन का उद्देश्य क्या है, इसका भी विद्यार्थियों को ज्ञान कराना।

Course Outcome:

1) दलित चेतना के स्वरूप एवं महत्त्व से अवगत होंगे।
2) परंपरागत साहित्य लेखन एवं दलित लेखन के अंतर को समझेंगे।
3) विद्यार्थी दलित लेखक एवं उनकी कहानियों से अवगत होंगे।
4) दलितों की सामाजिक स्थिति एवं अपने अस्तित्व के प्रति उनकी जागरूकता को समझने का प्रयास करेंगे।

Syllabus:

इकाई 1. दलित लेखन की अवधारणा, स्वरूप, पृष्ठभूमि एवं विकास।	(15 Lectures)
इकाई **2.** तीन चयनित दलित कहानियाँ।	(15 Lectures)
इकाई **3.** तीन चयनित दलित कहानियाँ।	(15 Lectures)
इकाई **4.** छह चयनित दलित कविताएँ।	(15 Lectures)

संदर्भ ग्रंथ-

1) तेज सिंह, *आज का दलित साहित्य*, अतिश प्रकाशन, हरि नगर, दिल्ली,2002
2) डॉ. श्यौराज सिंह बेचैन, 'चिंतन की परंपरा और दलित साहित्य',नवलेखन प्रकाशन, बिहार,2001
3) डॉ.पुरुषोतम सत्यप्रेमी, 'दलित साहित्य सृजन के संदर्भ में', कामना प्रकाशन दिल्ली,1999
4) डॉ. जयप्रकाश कर्दम 'दलित साहित्य', अतिश प्रकाशन, हरि नगर, दिल्ली,2003
5) डॉपुरुषोतम सत्यप्रेमी., 'दलित साहित्य रचना और विचार', अतिश प्रकाशन, हरि नगर, दिल्ली,2001

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of S.Y. B.A. Hindi

आंतरिक मूल्यांकन:
पूर्णांक: 60
आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना (Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखित परीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्र प्रस्तुतीकरण (Paper Presentation) (20)

सत्रांत परीक्षा (SEE)

पूर्णांक: 40

समय: 1:30 घंटे

पूर्णांक: 40

समय:1:30 घंटे

प्रश्न 1 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 4 संदर्भ सहित व्याख्या (10)

S.Y.B.A - (Semester – lV)

Core Course

S.Y.B.A - (Semester – lV)

Course Title: हिन्दी पत्रकारिता: मुद्रित एवं इलेक्ट्रोनिक

Course Code: HIN-IV.C-6

Marks: 100

Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

1) हिन्दी पत्रकारिता के इतिहास से विद्यार्थियों को अवगत कराना।
2) मुद्रित माध्यमों में रोजगार के अवसरों की विद्यार्थियों को जानकारी देना।
3) इलेक्ट्रोनिक माध्यमों की बढ़ती व्याप्ति को समझते हुए उसमें प्राप्त रोजगार संबंधी जानकारी विद्यार्थियों को देना।

Course Outcome:

1) विद्यार्थी स्वाधीनता आंदोलन में हिन्दी पत्रकारिता के योगदान और स्वातंत्र्योत्तर पत्रकारिता के विकास से अवगत होंगे।
2) पत्रकारिता के विविध प्रकारों को समझेंगे।
3) पत्रकार के गुण एवं पत्रकारिता संबंधी कानून का ज्ञान होगा।
4) विद्यार्थियों में रेडियो पत्रकारिता, टेलीविजन पत्रकारिता एवं इंटरनेट पत्रकारिता का कौशल विकसित होगा।

Syllabus :

इकाई एक- पत्रकारिता का सामान्य परिचय, स्वरूप। (15 Lectures)

इकाई दो - (15 Lectures)

1. पत्रकारिता के विविध प्रकार (खेल पत्रकारिता, मनोरंजन पत्रकारिता, खोजी पत्रकारिता, आर्थिक पत्रकारिता, बाल पत्रकारिता, महिला पत्रकारिता)।
2. पत्रकारिता का महत्त्व
3. पत्रकारिता संबंधी कानून।

इकाई तीन- हिन्दी मुद्रित पत्रकारिता का उद्भव और विकास (15 Lectures)

1. स्वतंत्रतापूर्व हिन्दी पत्रकारिता।
2. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी पत्रकारिता।

इकाई चार - हिन्दी की इलेक्ट्रोनिक पत्रकारिता। (15 Lectures)

क) रेडियो पत्रकारिता
ख) टी. वी. पत्रकारिता
ग) इंटरनेट पत्रकारिता

संदर्भ ग्रंथ-

1. कैलाशनाथ पाण्डेय,'प्रयोजनमूलक हिन्दी की नयी भूमिका', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2007

2. डॉ.अंबादास देशमुख,'प्रयोजनमूलक हिन्दी के अधुनातन आयाम',शैलजा प्रकाशन,कानपुर,2006

3.डॉ.रामप्रकाश,डॉ. दिनेशगुप्त, प्रयोगात्मक और प्रयोजनमूलक हिन्दी',राधाकृष्णप्रकाशन, नईदिल्ली,2014

3. एन. सी. पंत, पत्रकारिता का इतिहास' तक्षशिला प्रकाशन, अंसारी रोड, दरियागंज,नई दिल्ली,2002

4. सविता चड्ढा,'हिन्दी पत्रकारिता: सिद्धान्त और स्वरूप' तक्षशिला प्रकाशन, अंसारी रोड, दरियागंज, दिल्ली,1995

5. डॉ. अजय प्रकाश, डॉ. रमेश वर्मा, *'प्रयोजनमूलक हिन्दी'* समवेत प्रकाशन, रामबाग ,कानपुर,2005

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of S.Y. B.A. Hindi

हिन्दी पत्रकारिता: मुद्रित एवं इलेक्ट्रोनिक

आंतरिक मूल्यांकन:
पूर्णांक: 60
आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना (Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखितपरीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्र प्रस्तुतीकरण/ (PaperPresentation) (20)

सत्रांतपरीक्षा (SEE)

पूर्णांक: 40

समय:1:30 घंटे

प्रश्न 1 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न(2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 4 टिप्पणी (10)

****

S.Y.B.A - (Semester – IV)

<u>Elective Course</u>

Course Title: हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

Course Code: HIN-IV.E -5

Marks: 100

Credits: 04(60 Lectures)

Course Objective:

विद्यार्थियों को आधुनिक हिन्दी कविता के इतिहास से परिचित कराना। उन्हें यह बताना कि अपनी किन विशिष्टताओं के कारण आधुनिक काल की कविता और उसके कवि सीधे समाज और राष्ट्र प्रेम से जुड़े।

Course Outcome:

5) आधुनिक हिन्दी साहित्य के परिवेश से परिचित होंगे।
6) आधुनिक काल की काव्य प्रवृत्तियों से अवगत होंगे।
7) हिंदी कहानी एवं उपन्यास के उद्भव और विकास का परिचय प्राप्त करेंगे।
8) निबंध एवं नाटक विधा के विकासक्रम से परिचित होंगे।

Syllabus:

इकाई एक - (15 Lectures)

1. भारतेन्दुयुगीन कविता।
2. द्विवेदी युगीन कविता।
3. छायावादी कविता।

इकाई दो - (15 Lectures)

1. प्रगतिवादी कविता।
2. प्रयोगवादी कविता।
3. नई कविता।

इकाई तीन - (15 Lectures)

1. हिन्दी कहानी का विकास।
2. हिन्दी उपन्यास का विकास।

इकाई चार - (15 Lectures)

1. हिन्दी नाटक का विकास।
2. हिन्दी निबंध का विकास।

(उपरोक्त काव्य धाराओं/ विधाओं का सामान्य परिचय एवं प्रवृत्तियाँ)

संदर्भ

1. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, *'हिन्दी साहित्य का इतिहास'* प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली, 2003
2. डॉ. रमेश चंद्र शर्मा, *'हिन्दी साहित्य का इतिहास'* विद्या प्रकाशन, गुजैनी, कानपुर, 2002
3. डॉ. गणपति चन्द्र गुप्त, *'हिन्दी साहित्येतिहास'* अटलांटिक प्रकाशन एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली,1989
4. राजनाथ शर्मा, *'हिन्दी साहित्य का विवेचनात्मक इतिहास'* विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा,1978
5. डॉ. नगेन्द्र, *'हिन्दी साहित्यका इतिहास'*, नेशनल पब्लिशिंग हाउस,दरियागंज,दिल्ली,1973
6. डॉ.शिवकुमार शर्मा, *'हिन्दी साहित्य :युग और प्रवृत्तियाँ'*, अशोक प्रकाशन, नयी सड़क, दिल्ली,1970

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of S.Y. B.A. Hindi

हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

आंतरिकमूल्यांकन:
पूर्णांक :60
आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना (Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखितपरीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्र प्रस्तुतीकरण (Paper Presentation) (20)

सत्रांतपरीक्षा (SEE)

पूर्णांक: 40

समय:1:30 घंटे

प्रश्न 1 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 4 टिप्पणी (10)

****

Elective Course

Course Title: विशेष अध्ययन: सूर्यकांत त्रिपाठी निराला
Course Code: HIN-IV.E-6
Marks: 100
Credits: 04(60 Lectures)

Course Objective:

विद्यार्थियों को सूर्यकांत त्रिपाठी निराला के समग्र जीवनवृत्त एवं साहित्य से परिचित कराना। विद्यार्थियों को यह बताना कि निराला किस प्रकार छायावादी अन्य कवियों से अलग और महत्वपूर्ण थे।

Course Outcome:

6) विद्यार्थी निराला के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित होंगे।
7) विद्यार्थी छायावादी काव्य में निराला के प्रदेय से अवगत होंगे।
8) काव्येतर विधाओं में निराला के योगदान को समझेंगे।
9) निराला के साहित्य में प्रगतिशील अवधारणा को समझेंगे।

Syllabus:

इकाई एक - (15 Lectures)

1. निराला का जीवन वृत्त।
2. निराला की काव्य दृष्टि।
3. निराला का गद्य साहित्य।

इकाई दो - (15 Lectures)

1. तोड़ती पत्थर।
2. विधवा।
3. जागो फिर एक बार।
4. वसंत आया।

इकाई तीन - (15 Lectures)

1. दान।
2. स्नेह निर्झर बह गया है।
3. बादल राग।
4. मरा हूँ हजार मरण।

इकाई चार- (15 Lectures)

'बिल्लेसुर बकरिहा' रेखाचित्र का अध्ययन।

संदर्भ ग्रंथ

1. नंदकिशोर नवल,*'निराला रचनावली-1'* राजकमल प्रकाशन,नेताजी सुभाष मार्ग,नई दिल्ली,1983
2. नंदकिशोर नवल,*'निराला रचनावली-2'* राजकमल प्रकाशन,नेताजी सुभाष मार्ग,नई दिल्ली,1983
3. बच्चन सिंह,*'आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास'*, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,2007
4. प्रो. सूर्यप्रसाद दीक्षित,*'निराला समग्र'*, उत्तरप्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ,2015
5. डॉ. फणीश सिंह,*'हिन्दी साहित्य-एक परिचय'*, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली,2006

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of S.Y. B.A. Hindi

विशेष अध्ययन : सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

आंतरिक मूल्यांकन:
पूर्णांक: 60
आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना (Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखित परीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्र प्रस्तुतीकरण/ (Paper Presentation) (20)

सत्रांतपरीक्षा (SEE)

पूर्णांक: 40

समय: 1:30 घंटे

प्रश्न 1 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 4 संदर्भ सहित व्याख्या (10)

****

S.Y.B.A - (Semester – IV)

Elective Course

Course Title: विशेष अध्ययन: हिन्दी कहानी

Course Code: HIN-IV.E-7

Marks: 100

Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

1) आधुनिक हिन्दी कहानी साहित्य से विद्यार्थियों को अवगत कराना।
2) विद्यार्थियों को कहानी एवं उसके इतिहास से परिचित कराना।
3) विद्यार्थियों को हिन्दी के प्रमुख कहानिकारों का परिचय कराना।

Course Outcomes:

1) विद्यार्थी हिन्दी कहानी की विकासयात्रा से अवगत होंगे।
2) प्रेमचंद की कहानी कला से परिचित होंगे।
3) हिन्दी कहानी में सूर्यबाला के योगदान का परिचय प्राप्त करेंगे।

Syllabus:

इकाई **एक** - (15 Lectures)

कहानी: स्वरूप एवं तत्त्व।

इकाई **दो** - मुंशी प्रेमचंद की तीन कहानियाँ (15 Lectures)

1. ईदगाह
2. रामलीला
3. सद्गति

इकाई तीन- फणीशवरनाथ रेणु की तीन कहानियाँ (15 Lectures)

1. पंचलाइट
2. लालपान की बेगम
3. ठेस

इकाई **चार-** सूर्यबाला की तीन कहानियाँ (15 Lectures)

1. आखिरी विदा
2. बाऊजी और बंदर
3. होगी जय, होगी जय...हे पुरुषोत्तम नवीन!

संदर्भ ग्रंथ-

1. गोपाल राय,'*हिन्दी कहानी का इतिहास,*'राजकमल प्रकाशन, इलाहाबाद,2008

2. बच्चन सिंह,'*हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास'*,राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली,2004

3. रामस्वरूप चतुर्वेदी, *'हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास'*, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,2005

4. डॉ.सूर्यबाला की 21 श्रेष्ठ कहानियाँ, डायमंड पब्लिकेशन,दिल्ली

5. डॉ. फणीश सिंह,'*हिन्दी साहित्य: एक परिचय*,राजकमल प्रकाशन, इलाहाबाद,2006

6. डॉ. नगेन्द्र, '*हिन्दी साहित्यका इतिहास'*, नेशनल पब्लिशिंग हाउस,दरियागंज,दिल्ली,1973

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of S.Y. B.A. Hindi

विशेष अध्ययन: हिन्दी कहानी

आंतरिक मूल्यांकन:
पूर्णांक: 60
आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्यपरियोजना (Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखितपरीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्र प्रस्तुतीकरण/ (Paper Presentation) (20)

सत्रांतपरीक्षा (SEE)

पूर्णांक: 40
समय:1:30 घंटे

प्रश्न 1 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)
प्रश्न 2 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)
प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)
प्रश्न 4 संदर्भ सहित व्याख्या (10)

****

Elective Course

Paper Title: हिन्दी साहित्य का आस्वादन एवं समीक्षा (कविता,कहानी एवं उपन्यास)
Paper Code: HIN-IV.E-8
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

1) चयनित हिन्दी साहित्यका संकलन एवं विश्लेषण कराना।
2) हिन्दी साहित्यिक परंपरा का अभ्यास कराना।
3) हिन्दी साहित्य पर प्रपत्र बनाने का अभ्यास कराना।
4) हिन्दी साहित्य का आस्वादन, समीक्षा और शोध कार्य हेतु प्रवृत्त कराना।

Course Outcomes:

1) विद्यार्थी साहित्य के आस्वादन की कला से परिचित होंगे।
2) विद्यार्थी शोध एवं समीक्षा प्रक्रिया से अवगत होंगे।
3) कविता के आस्वादन एवं काव्य-समीक्षा के तत्त्वों से परिचित होंगे।
4) कहानी एवं उपन्यास की समीक्षा के विविध आधारों से अवगत होंगे।
5) शोध सामग्री का संकलन एवं विश्लेषण की क्षमता विकसित होगी।

Syllabus:

इकाई **एक -** (15 Lectures)

समीक्षा का अर्थ, स्वरूप एवं आधार.

इकाई **दो -कविता** (15 Lectures)

कैदी और कोकिला – माखनलाल चतुर्वेदी।

इकाई **तीन- कहानी** (15 Lectures)

यही सच है – मन्नू भंडारी।

इकाई **चार- उपन्यास** (15 Lectures)

त्यागपत्र - जैनेन्द्र।

संदर्भ ग्रंथ:

1. हिन्दी कहानी का इतिहास, गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली। संस्करण-2016

2. हिन्दी कहानी का विकास, मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद। संस्करण-2014
3. डॉ. ओमप्रकाश त्रिपाठी, '*समीक्षा के विविध रंग*, विद्या प्रकाशन, कानपुर,2014
4. डॉ. मधु खराटे, डॉ. शिवाजी देवरे,'*अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया*' विद्या प्रकाशन, कानपुर,2013
5. अभिलाषा दिवाकर, '*शोध कैसे करें*', मार्क पब्लिशर, जयपुर,2014

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of S.Y. B.A. Hindi

हिन्दी साहित्य का आस्वादन एवं समीक्षा (कविता,कहानी, एवं उपन्यास)

आंतरिक मूल्यांकन:
पूर्णांक: 60
आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना (Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखितपरीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्र प्रस्तुतीकरण/ (PaperPresentation) (20)

सत्रांतपरीक्षा (SEE)

पूर्णांक: 40
समय:1:30 घंटे
प्रश्न 1 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)
प्रश्न 2 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)
प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)
प्रश्न 4 संदर्भ सहित व्याख्या (10)

****

T.Y.B.A - (Semester – V)

<u>Core Course</u>

Course Title: मीडिया लेखन: रेडियो एवं टेलीविजन

Course Code: HIN-V. V.C-7

Marks: 100

Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को मीडिया लेखन की जानकारी देना। विशेष रूप से रेडियो एवं टेलीविज़न से संबंधित लेखन से उन्हें अवगत कराना, क्योंकि आज रेडियो एवं टेलीविज़न मीडिया का सशक्त माध्यम बन गया है।

Course Outcome

1) विद्यार्थियों को मीडिया लेखन के सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक पक्ष का ज्ञान होगा।
2) रेडियो के विविध कौशल की ओर प्रवृत्त होंगे।
3) विद्यार्थियों को टेलीविज़न समाचार या धारावाहिक लेखन संबंधी व्यावहारिक अनुभव होगा।
4) इलेक्ट्रोनिक मीडिया में रोजगार का मार्ग प्रशस्त होगा।

Syllabus:

इकाई एक - (15 lectures)

मीडिया लेखन : स्वरूप, सिद्धान्त एवं महत्त्व।

इकाई दो - (15 lectures)

1. रेडियो लेखन के सिद्धान्त।
2. रेडियो लेखन के प्रकार: समाचार लेखन, रेडियो वार्ता, भेंट वार्ता, चर्चा-परिचर्चा, रेडियो नाटक।

इकाई तीन - (15 lectures)

1. टेलीविज़न लेखन के सिद्धान्त।
2. टेलीविज़न लेखन के प्रकार: समाचार लेखन, साक्षात्कार, धारावाहिक लेखन।

इकाई चार - रेडियो और टेलीविज़न लेखन के व्यावहारिक रूप का अध्ययन **(15 lectures)**

1. रेडियो वार्ता लेखन।
2. संवाद लेखन।
3. दृश्य रूपान्तरण।
4. भेंट-वार्ता।
5. रेडियो समाचार लेखन।
6. रेडियो विज्ञापन लेखन।
7. टेलीविज़न विज्ञापन लेखन।

संदर्भ ग्रंथ-

1. डॉ. अंबादास देशमुख, *'प्रयोजनमूलक हिन्दी:अधुनातन आयाम'* , शैलजा प्रकाशन, कानपुर,2006
2. सं. डॉ. सुभाष तलेकर, *' रोजगाराभिमुख हिन्दी :दिशाएँ एवं संभावनाएँ'*, नंदादीप प्रकाशन, पुणे, 2010
3. डॉ॰ सुजाता वर्मा, *'पत्रकारिता और मीडिया,'* विकास प्रकाशन, कानपुर, 2016
4. रामशरन जोशी, *' मीडिया विमर्श*, सामयिक प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली, 2002
5. डॉ. अजय प्रकाश, डॉ.रमेश वर्मा, *'प्रयोजनमूलक हिन्दी'*, समवेत, रामबाग, कानपुर, 2005

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of T.Y. B.A. Hindi

मीडिया लेखन: रेडियो एवं टेलीविज़न

आंतरिक मूल्यांकन:
पूर्णांक: 40
आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20-20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी। तीनों के प्राप्त अंक का 40% लिया जाएगा।

1. कार्य परियोजना (Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखित परीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. फिल्म/विज्ञापन /प्रपत्र प्रस्तुतीकरण (Film/Advertisement/Paper Presentation) (20)

सत्रांतपरीक्षा (SEE)

पूर्णांक : 60
समय:1:30 घंटे
प्रश्न 1 लघुत्तरी प्रश्न पाँच में से कोई तीन के 4-5 पंक्तियों में उत्तर (12)
प्रश्न 2 लघुत्तरी प्रश्न पाँच में से कोई तीन के 4-5 पंक्तियों में उत्तर (12)
प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (12)
प्रश्न 4 दीर्घोत्तरी प्रश्न (12)
प्रश्न 5 टिप्पणियाँ
('अ' अथवा 'ब' में कोई एक खंड)

****

T.Y.B.A - (Semester – V)
Elective Course

Course Title: कथेतर गद्य साहित्य: संस्मरण, यात्रा वृतांत, आत्मकथा एवं जीवनी
(किसी विधा की एक पाठ्य पुस्तक)

Course Code: HIN-V.E-9
Name of the Faculty:
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:
इस पाठ्यक्रम से हिन्दी गद्य की मुख्य विधा के अलावा विद्यार्थियों को अन्य विधाओं की जानकारी देना। इनमें मुख्य विधाएँ हैं- संस्मरण साहित्य, यात्रा साहित्य, आत्मकथा साहित्य एवं जीवनी साहित्य। इन विधाओं में आज काफी लेखन कार्य हो रहा है, इसकी उन्हें जानकारी देना।

Course Outcome:
1) विद्यार्थी कथेतर अन्य विधाओं से परिचित होंगे।
2) रेखाचित्र, संस्मरण और यात्रा-वृतांत लेखन के मूलभूत अंतर की जानकारी प्राप्त करेंगे।
3) आत्मकथा एवं जीवनी विधाओं का अंतर एवं उनके विकास-क्रम को समझेंगे।
4) रेखाचित्र विधा के विकास में रामवृक्ष बेनीपुरी के योगदान से परिचित होंगे।

Syllabus:

इकाई एक - (15 Lectures)
रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा वृतांत, आत्मकथा एवं जीवनी साहित्य: अवधारणा, स्वरूप एवं विशेषताएँ।

इकाई दो - (15 Lectures)
संस्मरण एवं यात्रा वृतांत का उद्भव एवं विकास।

इकाई तीन - (15 Lectures)
आत्मकथा एवं जीवनी साहित्य का उद्भव एवं विकास।

इकाई चार - (15 Lectures)
किसी विधा की एक पाठ्यपुस्तक: माटी की मूरतें- रामवृक्ष बेनीपुरी (चयनित)।

संदर्भ ग्रंथ-

1. डॉ. शांति खन्ना, '*आधुनिक हिन्दी का जीवनीपरक साहित्य*', सन्मार्ग प्रकाशन, बैंगलो रोड, दिल्ली,1973
2. डॉ. संजय नवले,'*साहित्यशास्त्र*', दिव्य डिस्ट्रीब्यूटर्स,कानपुर, 2009
3. डॉ. रमेशचन्द्र शर्मा, '*हिन्दी साहित्य का इतिहास*', विद्या प्रकाशन, कानपुर, 2002
4. डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, '*हिन्दी साहित्य का इतिहास*', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1981
5. डॉ. सुधाकर कलवडे, '*साहित्यशास्त्र परिचय*', पुस्तक संस्थान नेहरू नगर, कानपुर, 1985

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of T.Y. B.A. Hindi

कथेतर गद्य साहित्य: रेखाचित्र, संस्मरण,यात्रा,वृतांत,आत्मकथा एवं जीवनी
(किसी विधा की एक पाठ्य पुस्तक)

आंतरिक मूल्यांकन:
पूर्णांक: 40
आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 -20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी। तीनों के प्राप्त अंक का 40% लिया जाएगा।

1. कार्य परियोजना (Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखितपरीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्र प्रस्तुतीकरण (Paper Presentation) (20)

सत्रांत परीक्षा (SEE)

पूर्णांक : 60
समय:1:30 घंटे
प्रश्न 1 लघुत्तरी प्रश्न पाँच में से कोई तीन के 4-5 पंक्तियों में उत्तर (12)
प्रश्न 2 लघुत्तरी प्रश्न पाँच में से कोई तीन के 4-5 पंक्तियों में उत्तर (12)
प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (12)
प्रश्न 4 दीर्घोत्तरी प्रश्न (12)
प्रश्न 5 टिप्पणियाँ
('अ' अथवा 'ब' में कोई एक खंड)

****

T.Y.B.A - (Semester – V)

Elective Course

Course Title: विशेष अध्ययन: हिन्दी उपन्यास
Course Code: HIN-V.E-10
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को हिन्दी उपन्यास का स्वरूप एवं तत्व की जानकारी देना। उन्हें हिन्दी उपन्यास के विकासक्रम की जानकारी देना। साथ ही उपन्यासकारों के उद्देश्य को उन तक पहुँचाना।

Course Outcome:

1) उपन्यास के स्वरूप एवं तत्व को समझेंगे।
2) उपन्यास के विकासक्रम से परिचित होंगे।
3) 'निर्मला' उपन्यास के माध्यम से स्त्री जीवन की विडंबनाओं को समझेंगे।
4) 'दौड़' की मूल संवेदना से परिचित होंगे।
5) निर्धारित उपन्यासों की आलोचना कर सकेंगे।

Syllabus:

इकाई एक - **(15 Lectures)**

उपन्यास: स्वरूप एवं तत्व।

इकाई दो - **(15 Lectures)**

निर्मला – मुंशी प्रेमचंद।

इकाई तीन - **(15 Lectures)**

मोहनदास –उदयप्रकाश

इकाई चार- **(15 Lectures)**

निर्धारित उपन्यासों का आलोचनात्मक अध्ययन।

संदर्भ ग्रंथ-

1. डॉ. रामलखन शुक्ल, '*हिन्दी उपन्यास कला*', सन्मार्ग प्रकाशन, बैंगलौ रोड, दिल्ली, 1972
2. डॉ. शांतिस्वरूप गुप्त, '*हिन्दी साहित्य:प्रकीर्ण विचार*', शोक प्रकाशन, नई सड़क, दिल्ली, 1967
3. डॉ. रामनारायण सिंह, '*मधुर हिन्दी के ऐतिहासिक उपन्यास*', ग्रंथम, रामबाग, कानपुर, 1971
4. डॉ. ज्ञान अस्थाना, '*हिन्दी उपन्यासों में ग्राम समस्याएँ*', जवाहर पुस्तकालय, मथुरा, 1979
5. पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी, '*हिन्दी कथा साहित्य*', हिन्दी ग्रंथ-रत्नाकर कार्यालय, बंबई, 1954

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of T.Y. B.A. Hindi

विशेष अध्ययन: हिन्दी उपन्यास

आंतरिक मूल्यांकन:
पूर्णांक: 60
आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20-20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी। तीनों के प्राप्त अंक का 40% लिया जाएगा।

1. कार्य परियोजना (Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखितपरीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्र प्रस्तुतीकरण (Paper Presentation) (20)

सत्रांत परीक्षा (SEE)
पूर्णांक : 60
समय:1:30 घंटे
प्रश्न 1 लघुत्तरी प्रश्न पाँच में से कोई तीन के 4-5 पंक्तियों में उत्तर (12)
प्रश्न 2 लघुत्तरी प्रश्न पाँच में से कोई तीन के 4-5 पंक्तियों में उत्तर (12)
प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (12)
प्रश्न 4 दीर्घोत्तरी प्रश्न (12)
प्रश्न 5 टिप्पणियाँ
('अ' अथवा 'ब' में कोई एक खंड)

****

T.Y.B.A - (Semester – V)

<u>Elective Course</u>

Course Title: भारतीय काव्यशास्त्र

Course Code: HIN- E-11

Marks: 100

Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को भारतीय काव्यशास्त्र की जानकारी देना। भारतीय आचार्यों के चिंतन का ज्ञान प्राप्त कराना। साथ ही हिन्दी के आधुनिक आचार्यों के काव्यशास्त्रीय चिंतन की जानकारी देना।

Course Outcome:

2) विद्यार्थी भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा से परिचित होंगे।
3) काव्यशास्त्रीय सिद्धांतों का सामान्य ज्ञान प्राप्त करेंगे।
4) साहित्य-सृजन एवं समीक्षा में काव्यशास्त्र की उपयोगिता को समझेंगे।
5) भारतीय आचार्यों के साहित्य संबंधी चिंतन से परिचित होंगे।

Syllabus:

इकाई एक - **(15 Lectures)**

1. काव्य की परिभाषा एवं स्वरूप।
2. काव्य के भेद।
3. काव्य के तत्व।
4. काव्य के हेतु।
5. काव्य प्रयोजन।

इकाई दो - **(15 Lectures)**

1. रस सिद्धान्त- स्वरूप, अवयव और उसके भेद।
2. अलंकार सिद्धान्त- सामान्य परिचय।

इकाई तीन - **(15 Lectures)**

1. ध्वनि सिद्धान्त- सामान्य परिचय।
2. रीति सिद्धान्त- सामान्य परिचय।

इकाई चार- **(15 Lectures)**

1. वक्रोक्ति सिद्धान्त- सामान्य परिचय।
2. औचित्य सिद्धान्त- सामान्य परिचय।

संदर्भ ग्रंथ-

1. डॉ. भगीरथ मिश्र, ' काव्यशास्त्र' विश्वविद्यालय प्रकाशन ,वाराणसी, 1970
2. डॉ. कन्हैयालाल अवस्थी, '*काव्यशास्त्र भारतीय एवं पाश्चात्य*', आशीष प्रकाशन, कानपुर, 2012
3. जयचंद्र राय, '*आचार्य रामचन्द्र शुक्ल: सिद्धान्त और साहित्य*', भारती साहित्य मंदिर, दिल्ली,1963
4. डॉ. आनंद प्रकाश दीक्षित, '*रस सिद्धान्त:स्वरूप-विश्लेषण*', राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 1972
5. डॉ. संजय नवले,'*साहित्यशास्त्र*', दिव्य डिस्ट्रीब्यूटर्स, कानपुर, 2009
6. बलदेव उपाध्याय, 'भारतीय साहित्यशास्त्र', प्रसाद परिषद, काशी, 1955

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of T.Y. B.A. Hindi

भारतीय काव्यशास्त्र

आंतरिक मूल्यांकन:

पूर्णांक: 40

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20-20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी। तीनों के प्राप्त अंक का 40% लिया जाएगा।

1. कार्य परियोजना (Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखितपरीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्र प्रस्तुतीकरण (Paper Presentation) (20)

सत्रांत परीक्षा (SEE)

पूर्णांक : 60

समय:1:30 घंटे

प्रश्न 1 लघुत्तरी प्रश्न पाँच में से कोई तीन के 4-5 पंक्तियों में उत्तर (12)

प्रश्न 2 लघुत्तरी प्रश्न पाँच में से कोई तीन के 4-5 पंक्तियों में उत्तर (12)

प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (12)

प्रश्न 4 दीर्घोत्तरी प्रश्न (12)

प्रश्न 5 टिप्पणियाँ

('अ' अथवा 'ब' में कोई एक खंड)

****

T.Y.B.A - (Semester – V)

<u>Elective Course</u>

Course Title: हिंदी नाटक
Course Code: HIN-V.E-12
Name of the Faculty:
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:
इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को हिन्दी नाटक, स्वरूप एवं तत्व से परिचित कराना। उन्हें नाटक के उद्भव एवं विकास की जानकारी देना। साथ ही एक नाटक का अध्ययन कराना।

Course Outcome

1) विद्यार्थी नाटक के स्वरूप एवं तत्वों से परिचित होंगे।
2) भारतीय नाट्य परंपरा से अवगत होंगे।
3) अभिनय कौशल का विकास होगा।
4) हिन्दी रंगमंच की जानकारी प्राप्त होगी।
5) नाट्य रचना का तात्विक विवेचन करेंगे।

Syllabus:

इकाई एक - **(15 Lectures)**

1. नाटक: स्वरूप एवं तत्त्व।
2. भारतीय नाट्य परंपरा।

इकाई दो - **(15 Lectures)**

हिन्दी रंगमंच का विकास।

इकाई तीन- **(15 Lectures)**

आषाढ़ का एक दिन – मोहन राकेश (पाठालोचन)

इकाई चार- **(15 Lectures)**

आषाढ़ का एक दिन का तात्विक विवेचन।

संदर्भ ग्रंथ-

1. गिरीश रस्तोगी,हिन्दी नाटक और रंगमंच की नई दिशाएँ,ग्रंथम प्रकाशन,कानपुर,1966
2. दशरथ ओझा,*हिन्दी नाटक: उद्भव और विकास*, दिल्ली राजपाल एण्ड सन्स,दिल्ली
3. डॉ.पशुपतिनाथ उपाध्याय, *'हिन्दी नाटक एवं रंगमंच '*, जवाहर पुस्तकालय, मथुरा, 2009
4. डॉ. सविता चौधरी, *'साठोत्तरी हिन्दी नाटक'*, विद्या प्रकाशन गुजैनी, कानपुर, 2012
5. नेमिचन्द्र जैन, *'रंगदर्शन'*, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 2008
6. डॉ. बच्चन सिंह, *'हिन्दी नाटक'*, साहित्य भवन प्रा.लि., इलाहाबाद,1958

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of T.Y. B.A. Hindi

हिन्दी नाटक

आंतरिक मूल्यांकन:
पूर्णांक: 40
आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी। तीनों के प्राप्त अंक का 40% लिया जाएगा।

1. कार्य परियोजना (Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखित परीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. नाट्य/प्रपत्र प्रस्तुतीकरण (Drama /Paper Presentation) (20)

सत्रांत परीक्षा (SEE)

पूर्णांक : 60
समय:1:30 घंटे

प्रश्न 1 लघुत्तरी प्रश्न पाँच में से कोई तीन के 4-5 पंक्तियों में उत्तर	(12)
प्रश्न 2 लघुत्तरी प्रश्न पाँच में से कोई तीन के 4-5 पंक्तियों में उत्तर	(12)
प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1)	(12)
प्रश्न 4 दीर्घोत्तरी प्रश्न	(12)
प्रश्न 5 टिप्पणियाँ	
('अ' अथवा 'ब' में कोई एक खंड)	

****

T.Y.B.A - (Semester – VI)

<u>Core Course</u>

Course Title: हिंदी भाषा, लिपि एवं व्याकरण

Course Code: HIN-VI. C-8
Name of the Faculty: Miss. Alka G Gawas
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:
इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा की जानकारी देना। भाषा परिवर्तन के कारणों का पता लगाना। देवनागरी लिपि से परिचित कराना एवं उसकी वैज्ञानिकता पर प्रकाश डालना और साथ ही विद्यार्थियों को हिन्दी व्याकरण से अवगत कराना।

Course Outcome

1) विद्यार्थी हिन्दी भाषा की पृष्ठभूमि एवं उसके विकास से परिचित होंगे।
2) देवनागरी लिपि के विकास एवं मानकीकरण का ज्ञान प्राप्त होगा।
3) हिन्दी की वर्ण-व्यवस्था एवं रूप-रचना से परिचित होंगे।

Syllabus:

इकाई एक - (15 Lectures)
1. भाषा : प्राचीन एवं मध्यकालीन आर्यभाषा।
2. हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास।

इकाई दो - (15 Lectures)
1. लिपि- देवनागरी लिपि का उद्भव एवं विकास।
2. देवनागरी लिपि की विशेषताएँ।
3. देवनागरी लिपि का मानकीकरण

इकाई तीन- (15 Lectures)
1. व्याकरण: वर्ण विचार- स्वर, व्यंजन।
2. शब्दसाधन- विकारी एवं अविकारी शब्दों का सामान्य परिचय।

इकाई चार - (15 Lectures)
संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया का रूपान्तरण ।

संदर्भ ग्रंथ

1. डॉ. ब्रज किशोर प्रसाद सिंह, *'हिन्दी व्याकरण',* नमन प्रकाशन, दरियागंज,दिल्ली, 2009
2. कामताप्रसाद गुरु, *'हिन्दी व्याकरण',* हिन्दी-मराठी प्रकाशन, नागपुर, 2011
3. डॉ. हरदेव बाहरी, *'व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण',* लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1997
4. श्री शरण, *'हिन्दी-अशुद्धियाँ संदर्भ शोधन',* प्रेम प्रकाशन मंदिर, दिल्ली, 1997
5. डॉ. विजय लक्ष्मण वर्धे, अत्यावश्यक हिन्दी व्याकरण, फडके बुकसेलर्स, कोल्हापुर, 1993

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of T.Y. B.A. Hindi

हिन्दी भाषा, लिपि एवं व्याकरण

आंतरिक मूल्यांकन:

पूर्णांक: 40

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20-20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी। तीनों के प्राप्त अंक का 40% लिया जाएगा।

1.	कार्य परियोजना (Assignment)	(20)
2.	बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखितपरीक्षा (MCQ/ Written Test)	(20)
3.	प्रपत्र प्रस्तुतीकरण (Paper/ Presentation)	(20)

सत्रांत परीक्षा (SEE)

पूर्णांक : 60

समय:1:30 घंटे

प्रश्न 1 लघुत्तरी प्रश्न पाँच में से कोई तीन के 4-5 पंक्तियों में उत्तर	(12)
प्रश्न 2 लघुत्तरी प्रश्न पाँच में से कोई तीन के 4-5 पंक्तियों में उत्तर	(12)
प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1)	(12)
प्रश्न 4 दीर्घोत्तरी प्रश्न	(12)
प्रश्न 5 टिप्पणियाँ	

('अ' अथवा 'ब' में कोई एक खंड)

****

T.Y.B.A - (Semester – VI)

<u>Elective Course</u>

Course Title: हिंदी निबंध
Course Code: HIN-VI.E-13
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:
इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को हिन्दी निबंध के स्वरूप एवं तत्व की जानकारी देना। उन्हें हिन्दी निबंध के क्रमिक विकास से परिचित कराना। साथ ही एक निबंध संग्रह के अध्ययन के माध्यम से निबंध विधा की जानकारी देना।

Course Outcome

1) विद्यार्थी निबंध के स्वरूप एवं तत्त्व को समझेंगे।
2) हिंदी निबंध के उद्भव एवं विकास की जानकारी होगी।
3) निबंध लेखन की ओर प्रवृत्त होंगे।

Syllabus:

इकाई एक - (15 Lectures)

निबंध: स्वरूप, तत्व एवं भेद।

इकाई दो - (15 Lectures)

जिंदगी मुस्कुराई- कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' (कोई पाँच)

इकाई तीन- (15 Lectures)
जिंदगी मुस्कुराई- कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' (कोई पाँच)

इकाई चार - (15 Lectures)

निर्धारित निबंधों का समीक्षात्मक विवेचन।

संदर्भ ग्रंथ-

1. डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त, *'साहित्यिक निबंध',* लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1981
2. डॉ. भोलानाथ, *'हिन्दी साहित्य'* हिन्दी परिषद, प्रकाशन प्रयाग, 1971
3. रामचन्द्र शुक्ल, *'हिन्दी साहित्य का इतिहास',* नागरी प्रचारिणी सभा, काशी, 1961
4. बच्चन सिंह, *' आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास',* लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2005
5. डॉ. नगेन्द्र, डॉ. हरदयाल, *'हिन्दी साहित्य का इतिहास',* मयूर पेपरबैक्स, 2014

प्रश्नपत्र का प्रारूप
Examination Pattern of T.Y. B.A. Hindi
हिन्दी निबंध

आंतरिक मूल्यांकन:
पूर्णांक 40
आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20-20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी। तीनों के प्राप्त अंक का 40% लिया जाएगा।

1. कार्य परियोजना (Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखितपरीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्र प्रस्तुतीकरण (Paper/Presentation) (20)

सत्रांत परीक्षा (SEE)
पूर्णांक : 60
समय:1:30 घंटे
प्रश्न 1 लघुत्तरी प्रश्न पाँच में से कोई तीन के 4-5 पंक्तियों में उत्तर (12)
प्रश्न 2 लघुत्तरी प्रश्न पाँच में से कोई तीन के 4-5 पंक्तियों में उत्तर (12)
प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (12)
प्रश्न 4 दीर्घोत्तरी प्रश्न (12)
प्रश्न 5 टिप्पणियाँ
('अ' अथवा 'ब' में कोई एक खंड)

****

T.Y.B.A - (Semester – VI)
Elective Course

Course Title: भाषाविज्ञान
Course Code: HIN-VI.E-14
Name of the Faculty: Miss. Alka G Gawas
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:
इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को भाषाविज्ञान की जानकारी देना। उसके अध्ययन क्षेत्र एवं दिशाओं का ज्ञान प्राप्त कराना। साथ ही ध्वनि विज्ञान, रूप विज्ञान, वाक्य विज्ञान एवं अर्थ विज्ञान की जानकारी देना।

Course Outcome

1) भाषा एवं भाषाविज्ञान के स्वरूप एवं अध्ययन की विविध दिशाओं से परिचित होंगे।
2) ध्वनि की भाषा वैज्ञानिक जानकारी प्राप्त होगी।
3) रूप रचना, वाक्य रचना संबंधी विविध स्थितियों का ज्ञान होगा।
4) अर्थबोध के साधन एवं अर्थ परिवर्तन के कारणों और दिशाओं का ज्ञान होगा।

Syllabus:

इकाई एक - **(15 Lectures)**

1. भाषा: परिभाषा एवं विशेषताएँ।
2. भाषा परिवर्तन के कारण
3. भाषाविज्ञान: परिभाषा और अध्ययन की दिशाएँ।

इकाई दो - ध्वनि विज्ञान: **(15 Lectures)**

1. ध्वनि का स्वरूप।
2. ध्वनियों का वर्गीकरण।
3. ध्वनि परिवर्तन के कारण।

इकाई तीन - रूप विज्ञान एवं वाक्य विज्ञान। **(15 Lectures)**

1. रूप विज्ञान: स्वरूप।
2. अर्थतत्व एवं संबंध तत्व।
3. रूप परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ।
4. वाक्य विज्ञान: वाक्य की परिभाषा एवं स्वरूप।
5. वाक्य के भेद।

इकाई चार- **(15 Lectures)**

1. अर्थ विज्ञान: स्वरूप।

2. अर्थ बोध के साधन।
3. अर्थ परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ।

संदर्भ ग्रंथ-

1. डॉ. भोलानाथ तिवारी, *'भाषाविज्ञान'*,किताबमहल इलाहाबाद, 1991
2. डॉ. हनुमंतराव पाटील, *'भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा'*, विद्या प्रकाशन, गुजैनी, कानपुर, 2009
3. डॉ. राजमणि शर्मा, *'आधुनिक भाषाविज्ञान'*, महाशक्ति साहित्य मंदिर, वाराणसी, 1983
4. डॉ. भोलानाथ तिवारी, *'शब्द विज्ञान'*, शब्दकार, तुर्कमार गेट, दिल्ली, 1982
5. डॉ. जितेंद्र वत्स, डॉ.देवेंद्र प्रसाद सिंह, *'भाषाविज्ञान एवं हिन्दी भाषा'*, निर्मल पब्लिकेशन, दिल्ली,2009

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of T.Y. B.A. Hindi

भाषाविज्ञान

आंतरिक मूल्यांकन:
पूर्णांक: 40
आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20-20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी। तीनों के प्राप्त अंक का 40% लिया जाएगा।

1. कार्य परियोजना (Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखितपरीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्र प्रस्तुतीकरण (Paper/Presentation) (20)

सत्रांत परीक्षा (SEE)

पूर्णांक : 60
समय:1:30 घंटे
प्रश्न 1 लघुत्तरी प्रश्न पाँच में से कोई तीन के 4-5 पंक्तियों में उत्तर (12)
प्रश्न 2 लघुत्तरी प्रश्न पाँच में से कोई तीन के 4-5 पंक्तियों में उत्तर (12)
प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (12)
प्रश्न 4 दीर्घोत्तरी प्रश्न (12)
प्रश्न 5 टिप्पणियाँ
('अ' अथवा 'ब' में कोई एक खंड)

****

T.Y.B.A - (Semester – VI)

<u>Elective Course</u>

Course Title: पाश्चात्य काव्यशास्त्र
Course Code: HIN-VI. E-15
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:
इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थियों को प्रमुख पाश्चात्य विचारकों से परिचित कराना। विद्यार्थियों को पाश्चात्य विचारकों के सिद्धांतों और वादों की जानकारी देना और साथ ही उन्हें आधुनिक समीक्षा की प्रवृत्तियों से परिचित कराना।

Course Outcome:

1) पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परंपरा से परिचित होंगे।
2) पाश्चात्य विचारकों के काव्य संबंधी चिंतन की जानकारी होगी।
3) पाश्चात्य काव्य सिद्धांतों एवं विविध वादों के आधार पर काव्य समीक्षा की विविध प्रवृत्तियों को समझ सकेंगे।
4) भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र के व्यावहारिक अंतर को समझेंगे।

Syllabus:

इकाई एक - प्रमुख पाश्चात्य विचारक **(15 Lectures)**

1. प्लेटो।
2. अरस्तू।

इकाई दो - प्रमुख पाश्चात्य विचारक **(15 Lectures)**

1. मैथ्यू आरनाल्ड।
2. टी.एस. इलिएट।

इकाई तीन- प्रमुख पाश्चात्य सिद्धान्त **(15 Lectures)**

1. अभिजात्यवाद।
2. मार्क्सवाद।

इकाई चार- आधुनिक समीक्षा सिद्धान्त **(15 Lectures)**

1. संरचनावाद।
2. उत्तर संरचनावाद।

संदर्भ ग्रंथ:

1. पाश्चात्य काव्य शास्त्र, देवेन्द्रनाथ शर्मा, मयूर पेपरबैक्स, ए95-, सेक्टर5-, नोएडा201301-
2. पाश्चात्य काव्य चिंतन, डॉ° करुणाशंकर उपाध्याय, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा° लि°, नई दिल्ली।
3. *पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परंपरा,* संडॉ.नगेन्द्र ., डॉसावित्री सिन्हा., दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली,1966
4. *पाश्चात्य काव्यशास्त्रअधुनातन संदर्भ :, सत्यदेव मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, उत्तरप्रदेश, संस्करण2003-*
5. *नया हिन्दीकाव्य-,* डॉशिव कुमार मिश्र ., अनुसंधान प्रकाशन, आचार्यनगर, कानपुर, 1962
6. *काव्यशास्त्र :भारतीय एवं पाश्चात्य,* डॉकन्हैयालाल अवस्थी ., आशीष प्रकाशन, कानपुर, 2012
7. *नया साहित्य नए प्रश्न,* नन्ददुलारे वाजपेयी, विद्यामन्दिर प्रेस, मानमंदिर, वाराणसी, 1959
8. *साहित्य समीक्षा,* मुद्रारक्षस, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 1963
9. *पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत,* शांतिस्वरूप गुप्त, अशोक प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण1997-।

******

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of T.Y. B.A. Hindi

पाश्चात्य काव्यशास्त्र

आंतरिक मूल्यांकन:

पूर्णांक: 40

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20-20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी। तीनों के प्राप्त अंक का 40% लिया जाएगा।

1. कार्य परियोजना (Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखितपरीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्र प्रस्तुतीकरण (Paper/Presentation) (20)

सत्रांत परीक्षा (SEE)

पूर्णांक : 60

समय:1:30 घंटे

प्रश्न 1 लघुत्तरी प्रश्न पाँच में से कोई तीन के 4-5 पंक्तियों में उत्तर (12)

प्रश्न 2 लघुत्तरी प्रश्न पाँच में से कोई तीन के 4-5 पंक्तियों में उत्तर (12)

प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (12)

प्रश्न 4 दीर्घोत्तरी प्रश्न (12)

प्रश्न 5 टिप्पणियाँ

('अ' अथवा 'ब' में कोई एक खंड)

****

T.Y.B.A - (Semester – VI)

<u>Elective Course</u>

Course Title: साहित्य का अंतरानुशासनात्मक अध्ययन
Course Code: HIN-VI.E-16
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को साहित्य तथा साहित्येतर विद्या शाखाओं की जानकारी देना। उनके अंत:संबंध का ज्ञान प्राप्त कराना। साथ ही साहित्येतर विद्या शाखाओं का हिन्दी साहित्य पर प्रभाव बताना।

Course Outcome:

1) साहित्य तथा साहित्येतर ज्ञान की अन्य शाखाओं को समझ समझेंगे।
2) साहित्य के अनुशीलन में अन्य अनुशासनों के प्रभाव से परिचित होंगे।
3) साहित्य की अन्य शाखाओं के अंत: संबंध को समझेंगे।
4) अन्य साहित्य का हिन्दी साहित्य पर पड़े प्रभाव से परिचित होंगे।
5) साहित्य का समाजशास्त्रीय अध्ययन करने में सक्षम होंगे।

Syllabus:

इकाई एक - (15 Lectures)

1. साहित्य एवं अन्य विद्या शाखाओं का संबंध।
2. साहित्य एवं इतिहास।
3. साहित्य एवं दर्शन।
4. साहित्य एवं मनोविज्ञान।

इकाई दो - (15 Lectures)

साहित्य का समाजशास्त्रीय अध्ययन - लिंग, वर्ण, वर्ग एवं संप्रदाय।

इकाई तीन - (15 Lectures)

व्यावहारिक अध्ययन के लिए निर्धारित कृति ग्लोबल गाँव का देवता- रणेन्द्र

इकाई चार - (15 Lectures)

निर्धारित कृति का तात्विक विवेचन।

संदर्भ ग्रंथ-

1. डॉ. राधाकृष्णन, '*भारतीय दर्शन-भाग एक*', राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली, 2012
2. डॉ. राधाकृष्णन, '*भारतीय दर्शन भाग दो*', राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली, 2013
3. श्रीनलिन विलोचन शर्मा, '*साहित्य का इतिहास-दर्शन*', बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना. 1959
4. डॉ. सुरिंदरकौर गौड़, '*सौंदर्यशास्त्र*' अभय प्रकाशन, कानपुर, 2015
5. डॉ. धीरेन्द्र वर्मा, '*हिन्दी साहित्य कोश, भाग-1*', ज्ञान मंडल, लिमिटेड, वाराणसी, 2007

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of T.Y. B.A. Hindi

साहित्य का अंतरानुशासनात्मक अध्ययन

आंतरिक मूल्यांकन:
पूर्णांक: 40
आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20-20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी। तीनों के प्राप्त अंक का 40% लिया जाएगा।

1. कार्य परियोजना(Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखितपरीक्षा (MCQ/ Written Test) (20)
3. प्रपत्र प्रस्तुतीकरण (Paper/Presentation) (20)

सत्रांत परीक्षा (SEE)

पूर्णांक : 60
समय:1:30 घंटे

प्रश्न 1 लघुत्तरी प्रश्न पाँच में से कोई तीन के 4-5 पंक्तियों में उत्तर	(12)
प्रश्न 2 लघुत्तरी प्रश्न पाँच में से कोई तीन के 4-5 पंक्तियों में उत्तर	(12)
प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1)	(12)
प्रश्न 4 दीर्घोत्तरी प्रश्न	(12)
प्रश्न 5 टिप्पणियाँ ('अ' अथवा 'ब' में कोई एक खंड)	

****

S.Y.B.A - (Semester – III)
Skill Enhancement Course

Course Title: हिन्दी पथनाट्य (नुक्कड़ नाटक)
Course Code: HIN-II. SEC-1
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:
1) इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को पथनाट्य लेखन हेतु प्रवृत्त करना।
2) पथनाट्य के माध्यम से विद्यार्थियों के अभिनय कौशल को विकसित करना।
3) विदयार्थी पथनाट्य को प्रस्तुत करने का तंत्र समझेंगे।

Course Outcomes:
1) विद्यार्थी पथनाट्य लेखन में दक्षता प्राप्त करेंगे।
2) पथनाट्य प्रस्तुतीकरण कला में निपुण होंगे।
3) पथनाट्य के प्रस्तुतीकरण से छात्रों में अभिनय कौशल विकसित होगा।
4) विद्यार्थियों में अभिनय के साथ-साथ अन्य कौशलों का भी विकास होगा।

Syllabus:

इकाई एक: (15 Lectures)
1. पथनाट्य की अवधारणा एवं स्वरूप।
2. पथनाट्य का विकास।
3. पथनाट्य के तत्व एवं सरोकार

इकाई दो: (15 Lectures)
1. सवाशेर गेहूँ- मुंशी प्रेमचंद (अनुवाद- राजेश कुमार)
2. जनता पागल हो गई है-शिवराम।

इकाई तीन: (15 Lectures)
1. सबसे सस्ता गोश्त- असगर वजाहत।
2. देखो, वोट, बटोरे अन्धा-असगर वजाहत।

इकाई चार: (15 Lectures)
उपर्युक्त नाटकों का तात्विक विवेचन।
(व्यावहारिक कार्य: पथनाट्य : प्राथमिक लेखन, प्रकट वाचन, समूह चर्चा, पुनर्लेखन पथनाट्य: समूह में प्रस्तुतीकरण एवं मूल्यांकन।)

संदर्भ ग्रंथ-

1. कुसुम त्रिपाठी, 'नुक्कड़ नाटक कैसे खेले', आह्वान नाट्य मंच प्रकाशन,बम्बई 1995
2. निदेशालय,प्रौढ़ शिक्षा,नुक्कड़ भाग- 1,2 जामनगर हाऊस, हटमेंटस,नई दिल्ली 1995
3. सं. अखिलेश कुमार मिश्र, *'अंधेर-नगरी, भारत दुर्दशा'*,प्रयाग प्रकाशन,इलाहाबाद,1985
4. हिंदी रंगकर्म : दशा और दिशा, जयदेव तनेजा, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली,1988
5. चन्द्रेश, 'नुक्कड़ नाटक', राधाकृष्ण प्रकाशन नई दिल्ली,1983
6. असगर वजाहत, 'सबसे सस्ता गोश्त',राजपाल एंड सन्स,कश्मीरी गेट,दिल्ली,2015

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of T.Y. B.A. Hindi

हिन्दी पथनाट्य (नुक्कड़ नाटक)

आंतरिक मूल्यांकन:
पूर्णांक :60
आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना (Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखितपरीक्षा(MCQ/ Written Test) (20)
3. पथनाट्य प्रस्तुतीकरण (street play Presentation) (20)

सत्रांत परीक्षा (SEE)

पूर्णांक:40

समय:1:30 घंटे

प्रश्न 1 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 4 संदर्भ सहित व्याख्या (10)

****

S.Y.B.A - (Semester –IV)

Course Title: हिन्दी एकांकी

Course Code: HIN-IV. SEC-2

Marks: 100

Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

1) विद्यार्थियों को एकांकी का परिचय कराना।
2) विद्यार्थी एकांकी की आवश्यकता को समझ सकें।
3) इसके माध्यम से विदयार्थी एकांकी को प्रस्तुत करने का तंत्र समझेंगे।

Course Outcomes

1) विद्यार्थी एकांकी का गहन अध्ययन करके उससे परिचित होंगे।
2) विद्यार्थी वाचन एवं संवाद कला में निपुण होंगे।
3) विद्यार्थी एकांकी प्रस्तुतीकरण से अभिनय के क्षेत्र में प्रारम्भिक दक्षता प्राप्त करेंगे।

Syllabus:

इकाई एक - **(15 Lectures)**

1. एकांकी: अवधारणा, स्वरूप एवं विकास।
2. एकांकी के तत्त्व।
3. रंगमंचीयता एवं उसका विकास।

इकाई दो - **(15 Lectures)**

1. भोर का तारा- जगदीश चंद्र माथुर।(पाठ विवेचन)
2. धीरे बहो गंगा- लक्ष्मी नारायण लाल।(पाठ विवेचन)

इकाई तीन - **(15 Lectures)**

1. नींद क्यों रातभर नहीं आती – सुरेन्द्र वर्मा (पाठ विवेचन)
2. जुलूस- कणाद ऋषि भटनागर (पाठ विवेचन)

इकाई चार - निर्धारित रचनाओं का समीक्षात्मक अध्ययन **(15 Lectures)**

1. अभिनेयता
2. रंगमंचीयता
3. संवाद योजना
4. निर्देश

संदर्भ ग्रंथ-

1. गिरीश रस्तोगी,हिन्दी नाटक और रंगमंच की नई दिशाएँ,ग्रंथम प्रकाशन,कानपुर,1966
2. दशरथ ओझा,*हिन्दी नाटक: उद्भव और विकास,* दिल्ली राजपाल एण्ड सन्स,दिल्ली,2003
3. डॉ.पशुपतिनाथ उपाध्याय, *'हिन्दी नाटक एवं रंगमंच ',* जवाहर पुस्तकालय, मथुरा, 2009
4. नेमिचन्द्र जैन, *'रंगदर्शन',* राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 2008
5. डॉ. रामशरण महेंद्र,' *एकांकी और एकांकीकार,* वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली,2001
6. सं.अखिलेश कुमार मिश्र,*'अंधेर-नगरी, भारत दुर्दशा',*प्रयाग प्रकाशन,इलाहाबाद,1985
7. डॉ. सुरेन्द्र यादव, 'एकांकी और एकांकी',राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली,2001

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Examination Pattern of T.Y. B.A. Hindi

हिन्दी एकांकी

आंतरिक मूल्यांकन:
पूर्णांक: 60
आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येकी 20 अंकों की निम्नलिखित तीन परीक्षाएँ होंगी।

1. कार्य परियोजना/एकांकी लेखन (Assignment) (20)
2. बहुविकल्पीय प्रश्न/ लिखित परीक्षा(MCQ/ Written Test) (20)
3. एकांकी /प्रपत्र प्रस्तुतीकरण (Paper/PptPresentation) (20)

सत्रांत परीक्षा (SEE)

पूर्णांक 40

समय:1:30 घंटे

प्रश्न 1 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 2 लघुत्तरी प्रश्न (4 में से कोई 2) (10)

प्रश्न 3 दीर्घोत्तरी प्रश्न (2 में से कोई 1) (10)

प्रश्न 4 संदर्भ सहित व्याख्या (10)

****

Course Mapping of CLO'S and PLO'S

Mapping of Programme to course Learning Outcome. अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना का हिन्दी दस्तावेज़।									
Coure Compulsory	PLO CLO	PLO 1	PLO 2	PLO 3	PLO 4	PLO 5	PLO 6	PLO 7	PLO 8
CC **HIN -I.C-1** हिन्दी कहानी एवं शब्दसाधन	CLO 1	√							
	CLO 2	√		√			√		
	CLO 3		√						
	CLO 4								
	CLO 5	√				√			
HIN -I.C-2 हिन्दी कविता एवं काव्यसौंदर्य	CLO1	√							
	CLO 2			√			√		
	CLO 3		√						
	CLO 4								
	CLO 5	√				√			
FC **FC-HIN.1** भाषा कौशल	CLO1	√		√		√			
	CLO 2	√		√		√			
	CLO 3	√		√		√			
	CLO 4	√		√		√			
	CLO 5								
GEC **HIN-III E-3** हिन्दी महिला लेखन	CLO1	√							
	CLO 2								
	CLO 3						√		
	CLO 4	√		√			√		
	CLO 5	√		√			√		
HIN -II.C-3 हिन्दी	CLO 1	√					√		

नाटक:वृत्तचित्र एवं फीचर फिल्म									
	CLO 2	√	√				√		
	CLO 3			√		√			
	CLO 4	√		√					
	CLO 5	√					√		√
HIN -II.C-4 हास्य-व्यंग्य निबंध एवं पत्रकारिता	CLO 1	√							
	CLO 2	√					√		
	CLO 3	√	√	√			√		
	CLO 4	√							√
	CLO 5	√		√					√
FC **FC-HIN.1** भाषा कौशल	CLO 1	√		√		√			
	CLO 2	√		√		√			
	CLO 3	√		√		√			
	CLO4	√		√		√			
	CLO 5								
GEC **HIN-IV.E-7** विशेष अध्ययन: हिन्दी कहानी	CLO 1	√					√		
	CLO 2	√					√		
	CLO 3	√		√					
	CLO 4	√	√	√					
	CLO 5	√		√					

MATRIX 4 *(Course wise)*

MAPPING ASSESSMENT MODES TO CLOs AND PLOs

PROGRAMME: ___________________

Course:____________________________

(use ☑ if linked, ☒ if not linked and ⊟ if mode not used)

Level of Blooms Taxonomy (1-6)	**T-L-E modes**	CLO 1	CLO 2	CLO 3	CLO 4	PLO 5	PLO 6	PLO 7	PLO 8
	Traditional Lecture Method								

	Interactive Lecture Method								
	Group Discussion								
	Debate								
	Experiential Learning								
	Project based Learning								
	Student Presentation								
	Audio- Video								
	SAQ								
	MCQ								
	Assignment								
	Drammatisation								